आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक 189 ● जबलपुर ● सोमवार, 9 अगस्त, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● श्रावण कृष्ण पक्ष -प्रतिपदा ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

हर पल रहें
ताजा तरीन खबरों के
साथ लॉगिंन करें
WWW.yashbharat.co.in

आज सावन का तीसरा सोमवार

आज सावन माह का तीसरा सोमवार श्रद्धा से मनाया जा रहा है। सुबह पांच बजे से शिवालयों में शिवजी के अभिषेक शुरू हो गए हैं। दिनभर शिवजी की आराधना का दौर चलेगा। ज्योतिषियों के अनुसार भोलेनाथ का विशेष पूजन से अखंड सौभाग्य, पूर्ण आयु, संतान प्राप्ति, संतान की सुरक्षा, कन्या विवाह, अकाल मृत्यु निवारण व आकस्मिक धन की प्राप्ति होती है।

विजेताओं की आज स्वदेश वापसी

शाम 6.30 बजे से शुरू होगा सम्मान कार्यक्रम

टोक्यो। ओलंपिक में ऐतिहासिक और यादगार प्रदर्शन करने के बाद आज भारतीय एथलीट स्वदेश लौटेंगे। टोक्यो से वतन लौटने वालों में गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया और पुरुष हॉकी टीम के अलावा कई अन्य खिलाड़ी भी होंगे। भारत लौटने पर सभी खिलाड़ियों को दिल्ली स्थित अशोका होटल में एक कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए खिलाड़ियों से रूबरू होंगे। स्पोर्ट्स अथॉरिटी आफ इंडिया (साई) की तरफ से पहले मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन होना था लेकिन खराब मौसम की वजह से अब इसे अशोका होटल में आयोजित किया जाएगा। ये कार्यक्रम शाम 6.30 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ कई पूर्व ओलंपिक खिलाड़ी और भारत सरकार के अधिकारी मौजूद रहेंगे। सभी खिलाड़ी आज शाम 5.15 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

गौरतलब है कि अन्य कई पदक विजेता और भारतीय एथलीट पहले ही स्वदेश लौट चुके हैं। लेकिन मीराबाई चानू, पीवी सिंधू, रवि दहिया और लवलीना बारगोहेन ये सब भी आज के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

भारत के सात पदक

भारत ने इस बार के ओलंपिक में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारतीय दल ने एक स्वर्ण पदक समेत कुल 7 पदक जीते। इसमें नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में स्वर्ण, वेटलिफ्टिंग में मीराबाई तो कुश्ती में रवि दहिया ने रजत पदक जीता। इनके अलावा बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, पहलवान बजरंग पूनिया और पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

फटाफट खबरें

एमपी के 81.18 लाख किसानों के खाते में आये 2000

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मध्य प्रदेश के 81 लाख 18 हजार किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि के 1623 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर किए। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर कृषि क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव कार्यरत हैं। आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 2000 रुपये प्रति किसान ट्रांसफर की गई, जिससे मध्य प्रदेश के 81.18 लाख कृषक भाई लाभान्वित हुए। सीएम शिवराज ने कहा कि मैं मध्य प्रदेश के समस्त किसान भाइयों की ओर से प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री के प्रति हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

इंदौर आ रही विस्तारा के विमान से पक्षी टकराया, हादसा टला

इंदौर। अहिल्याबाई हवाईअड्डे पर सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा होने से टल गया। सोमवार सुबह दिल्ली से इंदौर की आने वाले एक निजी एयरलाइंस के विमान में बर्ड हिटिंग हो गई। इस फ्लाइट में करीब 100 यात्री थे और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। सूत्रों के अनुसार, निजी विमान कंपनी विस्तारा की फ्लाइट यूकेएन 213 सुबह आठ बजे दिल्ली से इंदौर आती है। इंदौर पहुंचने के दौरान विमान में से एक पक्षी टकरा गया। पहले तो पायलट को लगा कि विमान में तकनीकी खराबी आ गई है। लेकिन बाद में पता चला कि विमान से पक्षी टकरा गया है। हालांकि पायलट ने विमान को सकुशल इंदौर हवाईअड्डे पर लैंड कराया।

ममता बोलीं- तृणमूल नेताओं पर हमले के पीछे शाह का हाथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी समेत अन्य छात्र नेताओं पर हुए हमले के लिए शाह जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन सब हरकतों से डरने वाली नहीं हैं। उन्होंने भाजपाशासित त्रिपुरा में अभिषेक और अन्य नेताओं पर अलग-अलग जगह हुए हमलों के एक दिन बाद यह आरोप लगाया। त्रिपुरा में 2023 में होने वाले चुनाव से पहले टीएमसी अपनी जमीन तलाशने की कोशिश कर रही है।

हिंदुओं पर कट्टरपंथियों का हमला, घरों और मंदिरों में जमकर तोड़फोड़

ढाका। बांग्लादेश के खुलना जिले में शनिवार को मौलवियों के उकसाने पर कट्टरपंथियों की भीड़ ने 50 से ज्यादा हिंदुओं के घरों को निशाना बनाया। इस दौरान भीड़ ने 10 से अधिक मंदिरों को अपनी चपेट में लिया और जमकर तोड़फोड़ की।स्थानीय लोगों और पुलिस के अनुसार कट्टरपंथियों ने कई दुकानों पर भी हमला बोला। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि हमलावर पड़ोसी शेखपुरा, बामनडांगा और चाडपुर इलाकों के थे। लेकिन उनकी पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं इस घटना के बाद से हिंदू समुदाय के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस हमले की शुरुआत शुक्रवार की रात हिंदू और मुस्लिम स्थानीय लोगों के दो समूहों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद हुई।स्थानीय मस्जिद के एक मौलवी ने एक हिंदू धार्मिक जुलूस निकाले जाने का विरोध किया और लोगों को उकसाने लगा। वहीं इसके बाद कट्टरपंथियों ने शनिवार शाम को गांव के हिंदू घरों पर हमला कर दिया।

संसद में आज अहम बिल पेश करेगी सरकार, विपक्ष का मिला समर्थन

ओबीसी आरक्षण पर सरकार का बड़ा दांव

नई दिल्ली । संसद का मानसून सत्र अपने अंतिम चरण की तरफ बढ़ रहा है। आज से आखिरी सप्ताह की कार्यवाही शुरू हो गई है। हालांकि, अभी तक पूरा सत्र हंगामे की भेंट चढ़ा है। आज सदन में कई अहम बिल पेश किए जाने हैं। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉक्टर वीरेंद्र कुमार लोकसभा में संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021 पेश करेंगे।इसके साथ ही लोकसभा में 6 विधेयक रखे जाएंगे।

इस विधेयक का उद्देश्य पिछड़े वर्गों की पहचान करने के लिए राज्यों को अधिकार देना है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में केंद्रीय कैबिनेट ने इसपर मुहर लगाई थी। इस संशोधन की मांग कई क्षेत्रीय दलों के साथ-साथ सत्ताधारी पार्टी के ओबीसी नेताओं ने भी की है। वहीं, विपक्षी दलों ने इस विधेयक को समर्थन देने का एलान किया है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद विधेयक पेश

सुप्रीम कोर्ट की दखल के बाद यह बिल संसद में पेश किया जाएगा। मई में सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि केवल केंद्र को ये अधिकार है कि वह ओबीसी समुदाय से जुड़ी लिस्ट तैयार कर सके। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकार द्वारा इसपर आपत्ति जाहिर की गई थी, इसी के बाद अब केंद्र सरकार संविधान संशोधन बिल लाकर इसे कानूनी रूप देना चाहती है।

नए विधेयक से ये होगा असर

संसद में संविधान के अनुच्छेद 342-ए और 366(26) सी के संशोधन पर मुहर लगने के बाद राज्यों के पास ओबीसी वर्ग में अपनी जरूरतों के मुताबिक, जातियों को अधिसूचित करने की शक्ति मिलेगी। इससे महाराष्ट्र में मराठा समुदाय, गुजरात में पटेल समुदाय हरियाणा में जाट समुदाय और कर्नाटक में लिंगायत समुदाय को ओबीसी वर्ग में शामिल करने का मौका मिल सकता है। ये तमाम जातियां लंबे समय से आरक्षण की मांग कर रही हैं, हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इन मांगों पर रोक लगाता रहा है।

अनियंत्रित ट्रक झोपड़ी में घुसा, 8 की मौत, 2 घायल

अमरेली, गुजरात

गुजरात के अमरेली में सोमवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे सो रहे करीब दस मजदूरों को रौंद दिया। इस हादसे में 8 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए हैं । सभी घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। तड़के तीन बजे तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे सो रहे लोगों को कुचल दिया। हादसे के बाद इलाके में कोहराम मच गया। अमरेली के पुलिस अधीक्षक निर्लिप्त राय ने बताया कि मृतकों में आठ और 13 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। बधादा गांव में हुए हादसे में दो बच्चे गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। वाहन चलाते समय झपकी आने से ट्रक चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया था और ट्रक सड़क किनारे बनी एक झोपड़ी में जा घुसा, जिसमें 10 लोग सो रहे थे। उन्होंने बताया कि मृतकों में दो बुजुर्ग भी शामिल हैं।पुलिस ने सबसे पहले ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया और ट्रक को अपने कब्जे में लिया। फिलहाल पुलिस ड्राइवर से पूछताछ कर रही है। पुलिस को शक है कि ड्राइवर कहीं शराब पीकर तो ट्रक नहीं चला रहा था?

भारत जोड़ो आंदोलन के आगाज के दौरान दिए गए भड़काऊ भाषण

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर रविवार को सेव इंडिया फाउंडेशन और उसके साथ देशभर से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने भारतीय संविधान में शामिल 222 ऐसे कानूनों को समाप्त करने की मांग की, जिन्हें ईस्ट इंडिया कंपनी के हित में बनाया गया था। संसद मार्ग पर मार्च निकाला गया और आगामी संसद सत्र में पांच स्वदेशी कानून बनाने की मांग की गई। इसी के साथ यहां कई भड़काऊ भाषण भी दिए गए जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। इसी को लेकर दिल्ली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

MP में हंगामे के साथ शुरू हुआ मानसून सत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में मानसून सत्र की शुरुआत हंगामे के साथ हुई, आदिवासी दिवस पर अवकाश की मांग को लेकर आदिवासी विधायकों और कांग्रेस ने हंगामा किया। इसके पहले कांतिलाल भूरिया और आदिवासी विधायकों ने विधानसभा में गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। ये सभी विधायक आदिवासी वेशभूषा में पहुंचे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और कमल नाथ के बीच तीखी बहस भी हुई। कमल नाथ ने विश्व आदिवासी दिवस को लेकर भी श्रद्धांजलि दी, इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा किसी दिवस की श्रद्धांजलि होती है क्या। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस दिवंगत को श्रद्धांजलि के नाम पर घटिया राजनीति कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की घोषणा बिरसा मुंडा की जयंती पर आदिवासी दिवस मनाएंगे और अवकाश भी रहेगा। निधन उल्लेख के बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कमल नाथ ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस पर सरकार ने आदिवासियों का अपमान किया। हमने विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश दिया था, प्रदेश सरकार ने उस अवकाश पर रोक लगाई। भाजपा सरकार आदिवासी विरोध है, आदिवासी कोई ठेका और कमीशन का भूखा नहीं है। आदिवासी तो सिर्फ सम्मान का भूखा है। आदिवासी दिवस पर हमारी सरकार ने छुट्टी घोषित की थी और हर ब्लॉक में इस दिवस को मनाने के लिये पैसा भी भेजा था, ताकि आदिवासी वर्ग अपना त्योहार धूमधाम से मना सकें। कमल नाथ ने कहा कि यह विश्व आदिवासी दिवस है, भाजपा सरकार ने तो इसे अब आदिवासी अपमान दिवस बना दिया है, अगर छुट्टी कर देते तो क्या फर्क पड़ता।

निर्दलीय विधायक शेरा बोले मेरी पत्नी को कांग्रेस से टिकट पक्का हो गया

विधानसभा में निर्दलीय विधायक शेरा भैया अपनी पत्नी जयश्री ठाकुर के साथ पहुंचे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से मेरी पत्नी को खंडवा लोकसभा सीट से 100 प्रतिशत टिकट मिल रहा है। अगर कांग्रेस का सर्वे सच्चा है तो नाम हमारा ही होगा। उन्होंने कहा कि अरुण यादव को टिकट नहीं मिलेगा। आदिवासी हमारी ताकत है, हमारी जान है।

ड्रोन से अमृतसर में गिराए हथियार

चंडीगढ़। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पंजाब सीमा पर वह लगातार इस कोशिश में लगा हुआ कि किसी भी तरह अपने साथियों तक हथियार पहुंचा सके। पंजाब के अमृतसर में पाकिस्तान ने ड्रोन के जरिए हथियारों का जखीरा भेजा। हालांकि गांव वालों की सतर्कता के बाद पंजाब पुलिस ने इसे बरामद कर लिया है। पाकिस्तान ने सात थैलियों में आईईडी, हैंड ग्रेनेड और कारतूस भेजे थे। सूचना के आधार पर पंजाब पुलिस ने इन हथियारों को बरामद कर पाकिस्तान के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। पंजाब डीजीपी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि हमें सूचना मिली कि अमृतसर के पास के एक गांव से 7-8 अगस्त की रात ड्रोन को देखा गया। इसके साथ लोगों ने कुछ गिरने की आवाज भी आवाज सुनी। इसके बाद हमें कुछ संदिग्ध वस्तु मिलने की जानकारी मिली और फिर जब छानबीन की गई तो सात थैलियों में आईईडी, हैंड ग्रेनेड और कारतूस मिले। इस बात की जानकारी राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों को भी भेज दी गई है।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज औरैया व इटावा के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। जिला प्रशासन के मुताबिक यमुना में आई बाढ़ से अजीतमल और औरैया तहसील के 24 गांव प्रभावित हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाढ़ प्रभावित गांवों का दोपहर में हवाई दौरा करेंगे।

आज से पांच दिनों तक सस्ता सोना बेचेगी सरकार

नई दिल्ली। सरकार जनता को सस्ती दरों पर सोना खरीदने का मौका दे रही है। निवेशक नौ अगस्त यानी आज से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना के तहत बाजार मूल्य से कम दाम में सोना खरीद सकते हैं। यह योजना सिर्फ पांच दिन के लिए (नौ अगस्त से 13 अगस्त तक) खुली है। इसलिए अगर आप इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, तो देर न करें। इसकी बिक्री पर होने वाले लाभ पर आयकर नियमों के तहत छूट के साथ और कई लाभ मिलेंगे। सरकार की ओर से गोल्ड बॉन्ड में निवेश के लिए यह वित्त वर्ष 2021-22 की पांचवीं श्रृंखला है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया था कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड मई से लेकर सितंबर के बीच छह किस्तों में जारी किए जाएंगे। अगर आप भी योजना में निवेश करने की सोच रहे हैं तो आइए जानते हैं इसके तहत सोने की कीमत कितनी है।

अलर्ट: वैक्सीन नहीं लेने वालों के लिए खतरनाक हो सकती है तीसरी लहर

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी इतनी जल्दी खत्म होने वाली नहीं है। विशेषज्ञों ने भी इसको लेकर चेतावनी दी है और सतर्क रहने की सलाह दी है। हालांकि इसके बावजूद लोग बिना किसी डर के आराम से जगह-जगह घूम-फिर रहे हैं। चूंकि देश में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान तो काफी तेजी से चल रहा है और अब तक 50 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं, लेकिन इस बीच महामारी की तीसरी लहर की चिंता सताने लगी है। हम दूसरी लहर की तबाही तो देख ही चुके हैं कि कितने लोग मौत के मुंह में समा गए और अब अगर तीसरी लहर आती है तो वो कितनी तबाही लाएगी, ये बता पाना मुश्किल है। इसलिए सभी लोगों से कोरोना से बचने के नियमों का पालन करने की सलाह दी जा रही है। इसके अलावा वैक्सीन लेना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि यह मौत के खतरे से आपको बचा सकता है।

क्या कोमोरबिडिटी वाले मरीजों को अपना चेकअप करा कर वैक्सीन लेनी चाहिए?

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के डॉ. राजेंद्र के. धमीजा कहते हैं, जो भी क्रोनिक बीमारी वाले मरीज होते हैं, जैसे डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, अस्थमा आदि, तो उनका हर महीने चेकअप होता रहता है। लेकिन अगर चेकअप नहीं भी हुआ है और दवा चल रही है, तो वैक्सीन लेने के लिए जरूरी नहीं है कि पहले चेकअप कराएं। आप जाएं और वैक्सीन लगवा लें। डॉ. राजेंद्र के. धमीजा कहते हैं, %जी हां, लॉन्ग कोविड में हमने देखा है, करीब तीन महीने ठीक होने को हैं और स्मेल (सूंघने की क्षमता) नहीं आ रही है। इसके अलावा खांसी, थकान, सांस फूलना, चिड़चिड़ापन, कंफ्यूजन होना, भूलना आदि जैसे कई लक्षण देखने को मिल रहे हैं। इन लॉन्ग कोविड के लक्षणों को लेकर सरकार जल्द ही गाइडलाइन जारी करेगी। इसके लिए कमिटी बनाई गई थी, जिसमें देखा गया कि किस बीमारी में पोस्ट कोविड में इलाज की जरूरत है और किसमें नहीं या किसे गंभीरता से लेना चाहिए।डॉ. राजेंद्र के. धमीजा कहते हैं, %देश में कोरोना की स्थिति अभी थमी है, लेकिन वायरस कहीं गया नहीं है। खतरा जितना पहले था, उतना ही अभी भी है। कई दूसरे देशों में केस एक बार फिर से बढ़ने लगे हैं। इसलिए हमें भी सतर्क रहना होगा। कोविड नियमों के साथ ही वैक्सीन जरूर लगवाएं, क्योंकि जिन लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाई है, उनके लिए आने वाली लहर ज्यादा खतरनाक हो सकती है।

सावन का तीसरा सोमवार

शिवालयों में विशेष श्रृंगार

जबलपुर,यशभारत। आज सावन का तीसरा सोमवार है।। सुबह से मंदिरों और विशेष रूप से शिवालयों में भीड़ है। कहीं-कहीं तो कोरोना नियमों की अनदेखी भी हो रही है। इसके चलते शहर के शिवालयों में रुद्राभिषेक आदि धार्मिक अनुष्ठान चल रहे हैं। शाम को भोलेनाथ का विशेष अभिषेक किया जाएगा। मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा की गई है। सुबह से मंदिरों के पट खुल गए हैं कहीं पंचामृत से रुद्राभिषेक किया जा रहा है तो कहीं पार्थिव शिवलिंग बनाए जा रहे हैं। कई मंदिरों में अर्द्ध नारेश्वर रूप देकर विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। इस दौरान शिव भक्त नर्मदा जल भी अर्पित कर रहे हैं।लोग निराहार रहते हुए शिव भक्ति में लीन हैं। आज के पंचामृत से शिवजी का अभिषेक करना विशेष फलदायी रहता है। गुप्तेश्वरमहादेव के दर्शन करने और जल चढ़ाने वालों की लंबी कतार है। मंदिर में भी सुबह से भीड़ है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे शारीरिक दूरी और मास्क लगाने वाले जरूरी नियमों का पालन अवश्य करें। इस साल कोरोना संक्रमण काल की वजह से श्रावण मास के मेले आयोजित नहीं किये जा रहे हैं। ध्वज, जुलूस और कांवड़ यात्रायें स्थगित कर दी गई है। लिहाजा मदन महल की पहाड़ियों पर स्थित शारदा देवी के मंदिर और शिवालयों में भीड़ भाड़ नहीं लगेगी। हालांकि मंदिरों में पुजारी और सीमित संख्या में श्रद्धालु पूजन अर्चन कर सकेंगे। आज सावन सासेमवार पर गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी स्थित बड़े शंकर जी के मंदिर, पिपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर मंदिर जिलहरीघाट, बड़े शंकर जी के मंदिर गंजीपुरा में शिवजी के अभिषेक के बाद अदभुत श्रृंगार किया जाएगा। श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ को विल्वपत्र (बेलपत्री) के साथ साथ कच्चा दूध, सफेद, फल, धतूरा, भस्मी, भांग व सुगंधित द्रव्य मेले हर साल आयोजित होते रहे है। इस साल कोरोना संक्रमण की वजह से सावनी माहौल फीका हो गया है। सावन पूर्णिमा के साथ होगी पवित्र माह की समाप्ति

अर्द्ध नारेश्वर की पूजा,पंचामृत से रुद्राभिषेक

खासतौर पर अर्पित की जाती हे। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन मास में शिवजी को एक बेलपत्री चढ़ाने से 3 जन्मों के पापों का विनाश होता है। श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी बड़े शिवालय, श्री पाटबाला मंदिर, श्री शारदा मंदिर मदन महल, श्री मंगलचण्डी माता मंदिर बंधैया मोहल्ला, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में सावन मास के हिंदू कैलेंडर के अनुसार, सावन पूर्णिमा के साथ सावन माह की समाप्ति होगी। इसी दिन रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। इस बार सावन माह की पूर्णिमा तिथि 22 अगस्त दिन रविवार को है। ऐसे में इस वर्ष रक्षाबंधन का त्योहार 22 अगस्त को मनाया जाएगा। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार,सावन की पूर्णिमा तिथि 21 अगस्त दिन शनिवार को शाम 7 बजे से प्रारंभ हो रही है। इसका समापन 22 अगस्त दिन रविवार को शाम 05 बजकर 31 मिनट पर होगा। उदयातिथि 22 अगस्त को है, यानि रक्षाबंधन का त्योहार 22 अगस्त को पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाएगा।

शिव का संदेश प्रकृति के साथ उत्तम जीवन : स्वामी नरसिंह दास

हरियाली अमावस्या पर सनातन धर्म महासभा ने किया रूद्राभिषेक - प्राकृतिक सौंदर्य और संपूर्ण ब्रह्मांड ही शिव है। शिवलिंग संपूर्ण जगत का स्वरूप है। प्राकृतिक असंतुलन ही बडी बडी महामारी का प्रकोप लाता है। सभी असंतुलन को समाप्त करने और शिव की कृपा प्राप्त करने के संपूर्ण श्रावण मास मे नर्मदेश्वर महादेव की आराधना करना चाहिए। उक्त उदगार नरसिंहपीठाधीश्वर डा स्वामी नरसिंह दासजी महाराज ने नरसिंह मंदिर मे व्यक्त किए। संपूर्ण सावन मास में पूज्य श्री नृसिंहपीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नरसिंहदास जी महाराज द्वारा महामारी प्रकोप खत्म करने के लिए श्री नृसिंह मंदिर और गीताधाम में प्रतिदिन रुद्राभिषेक का संकल्प लिया गया है जिसे महाराज जी का रहे हैं ।आज पूजन विधि वैदिक आचार्यो संजय शास्त्री ,अमित जी ने संपन्न कराई। आज हरियाली अमावस्या पर यह सौभाग्य श्री सनातन धर्म महासभा के पदाधिकारियों अशोक मनोध्या , गुलशन मखीजा , प्रवेश खेड़ा, विष्णु पटेल, रमेश शर्मा, विध्येश भापकर, जगदीश साहू, अंबर पुंज, आनंद चौबे, जवाहर महाजन, गीता पांडे, रज्जन यादव सहित अनेकों सदस्य और मातृशक्ति उपस्थित रही

अब बिजली कंपनी के इंजीनियर कल करेंगे अनूठी हड़ताल

जबलपुर। अब बिजली कंपनी के इंजीनियर 10 अगस्त को कलमबंद के साथ-साथ मोबाइल-बंद हड़ताल भी करेंगे। इंजीनियरों ने पूर्व में ही इसकी चेतावनी दे दी है। मप्र बिजली अभियंता संघ के संयोजक वीकेएस परिहार का दावा है कि इस दिन सभी बिजली कंपनी के इंजीनियर कार्यालय नहीं पहुंचेंगे। मोबाइल भी बंद रखेंगे। पूरी तरह हड़ताल रहेगी। सात अगस्त को बिजली कर्मचारियों ने काम का बहिष्कार किया था। बिजली कंपनी में इंजीनियर व कर्मचारी लंबित मांगों का निराकरण नहीं होने से नाराज हैं। इनका आरोप है कि आने वाले समय में बिजली कंपनियों का निजीकरण करने की योजना है। इसी की खातिर विद्युत संशोधन बिल लाया जा रहा है। यह बिल पास हुआ तो कंपनियों को निजी हाथों में दे दिया जाएगा। इससे कर्मचारियों के हित प्रभावित होंगे। अभियंता संघ व बिजली कर्मचारी संगठनों में आपसी मतभेद है। यही वजह है कि दोनों अलग-अलग तारीखों में विरोध दर्ज करवा रहे हैं। अभियंता संघ की हड़ताल में बिजली कर्मचारी शामिल नहीं होंगे और बिजली कर्मचारियों की हड़ताल में अभियंता संघ ने सहयोग नहीं किया है। इसका फायदा बिजली कंपनियों को मिल रहा है। निचले स्तर के कर्मचारियों की फजीहत हो रही है। जानकारों का कहना है कि हड़ताल या विरोध प्रदर्शन कोई भी हो, उसमें फजीहत आम कर्मचारियों की होती है क्योंकि सभी की सुनना पड़ता है।अब बिजली कर्मचारी संयुक्त मोर्चा 13 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने वाला हैं। इसकी चेतावनी दे दी है। इस संबंध में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि बिजलीकर्मियों की जो भी समस्याएं या मांगे हैं, उनके बारे में मिल-बैठकर चर्चा की जाएगी।

त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद

चप्पे चप्पे सघन जांच,बसस्टैंड,रलवे स्टेशन व नाकों पर विशेष निगरानी

जबलपुर। आगामी दिनों में आने वाले त्योहारों पर शहर में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है। चप्पे -चप्पे पर सघन जांच की जा रही है। बाजारों ,बसस्टैंड,रेलवे स्टेशन व नाकों पर विशेष निगरानी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सिद्धार्थ बहुगुणा के निर्देश पर बी.डी.डी.एस. टीम द्वारा भीड़भाड़ वाले स्थान तथा महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों/स्थानों की चैकिंग करायी जा रही है पुलिस अधीक्षक श्री बहुगुणा द्वारा संदिग्ध गतिविधियो की रोकथाम एवं पतासाजी हेतु बी.डी.डी.एस. टीम को प्रतिदिन भीडभाड वाले स्थान, बाजार , धार्मिक स्थल, मॉल, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, महत्वपूर्ण संस्थान, की चैकिंग हेतु आदेशित किया गया है। इसी के तहत अति. पुलिस अधीक्षक शहर रोहित काशवानी के मार्ग निर्देशन में बी.डी.डी.एस. प्रभारी पंकज सिंह के नेतृत्व मे.टीम द्वारा स्नेफर डॉग के साथ मात्रीय उच्च न्यायालय परिसर, रेल्वे स्टेशन, मॉल, सिविक सैंटर, गोरखपुर मार्केट, सदर मार्केट, गढा मार्केट, उमाघाट, बस स्टैण्ड में चैकिंग की गयी है।उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस, मोहर्रम, नागपंचमी, रक्षा बंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, पर्यूषण पर्व, आदि त्योहारों को ध्यान में रखते हुये यह चैकिंग की कार्यवाही लगातार प्रतिदिन जारी रहेगी। चैकिंग कराये जाने का मुख्य उद्देश्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों/स्थानों पर पड़ी हुई विस्फोटक सामाग्री एवं अन्य संदिग्ध वस्तु जो छुपकार रखी गयी है, जो जनमानस के लिये घातक हो सकती है, का पता लगाना है। पुलिस अधीक्षक ने संस्कारधानी वासियों से अपील की गयी है कि यदि कोई भी संदिग्ध वस्तु आपको नजर आती है तो उससे दूर रहें एवं इसकी सूचना तत्काल कन्ट्रोलरूम के दूरभाष क्रमांक 0761-2676100, 2676102 एवं डायल 100 पर दें ताकि तत्काल बी.डी.डी.एस. टीम से चैकिंग की कार्यवाही करायी जा सके।

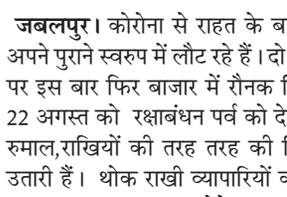

रक्षाबंधन 22 को,सज गई राखी की दुकानें

जबलपुर। कोरोना से राहत के बाद अब पर्व त्यौहार अपने पुराने स्वरुप में लौट रहे हैं। दो साल बाद रक्षाबंधन पर इस बार फिर बाजार में रौनक दिखाई देने लगी है। 22 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए बाजारों में रुमाल,राखियों की तरह तरह की किस्में व्यापारियों ने उतारी हैं। थोक राखी व्यापारियों को इस साल त्योहार तक ज्यादा का व्यापार होने का अनुमान है।

इस बार जुलाई से ही शुरू हो गई राखियों की खरीदी

जानकारों ने बताया कि जुलाई से ही व्यापार शुरू हो गया था 80 प्रतिशत रिटेल कारोबारियों ने जुलाई में ही राखियों की बुकिंग और खरीदी शुरू कर दी थी। इस बार 22 अगस्त तक अच्छा व्यापार होने का अनुमान है। इस साल दिल्ली,कोलकाता, गुजरात मुंबई, कोलकाता और अहमदाबाद से राखियां तैयारकर मंगवाई गई हैं। तीन साल पहले तक शहर में 70 प्रतिशत राखियां चीन की बिकती थीं, लेकिन अब शहर का कोई भी व्यापारी चीन से राखी नहीं मंगवाता है। बाजार में फुंदे, खिलौने और लाइट वाली। आर्टिफिशियल ज्वेलरी वाली। कंगन पैटर्न वाली चूड़ा राखी मेटल पर नगों की कारीगरी वाली राखियां मंगाई गईं चंदन और लकड़ी की कारीगरी वाली राखियां। मोती और डोरी सहित स्टोन और चांदी की राखियां तैयार होकर आईं।

मार्केट में सैकड़ों डिजाइन

व्यापारियों के पास इस साल कहीं अधिक डिजाइन की राखियां बिकने के लिए आई हैं। ये राखियां 20 रुपए दर्जन से लेकर 500 रुपए दर्जन के रेट में थोक भाव में बिक रही हैं। लाइट, म्यूजिक, बुटिक, चंदन, लकड़ी, रुद्राक्ष, मोतियों, रूबी और रंगबिरंगे पत्थरों को रेशमी धागे में पिरोकर बनाई गई राखियों के साथ ही चांदी और सोने जैसी दिखने वाली राखियां भी शहर में हैं। ये राखियां रिटेल में 3 रुपए से लेकर 650 रुपए तक में बिक रही हैं।

यश नाइक बनना चाहता है इंजीनियर

जबलपुर। हाल ही में घोषित हुए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कक्षा 12वीं के नतीजे में ज्वाय सैनियर सेकेण्डरी स्कूल विजय नगर के छात्र यश नाइक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 94.86 अंक अर्जित कर विद्यालय और परिजनों का नाम रोशन किया। यश नाइक श्रीमती नम्रता नाइक और एनपी नाइक के सुपुत्र है। उनका लक्ष्य इंजीनियर बनना है।

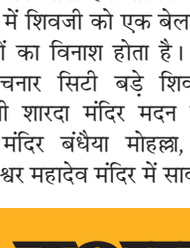

रोटरी क्लब ऑफ जबालीपुराम का पदभार ग्रहण समारोह

जबलपुर। रोटरी क्लब ऑफ जबलिपुराम का पदभार ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। होटल ग्रैंड समदड़िया मैं आयोजित इस कार्यक्रम में गत वर्ष की टीम के द्वारा नए वर्ष की टीम को पदभार सौंपा गया नया दायित्व पाने वालों में अध्यक्ष पद पर रोटेरियन हेमल छेड़ा , उपाध्यक्ष के पद पर रोट अपूर्व सब्लोक ,सचिव के पद पर रोटेरियन शोभित वर्मा कोषाध्यक्ष के पद पर रोट अभिषेक अग्रवाल ,उपाध्यक्ष एग्जीक्यूटिव के पद पर गिरीश खंडेलवाल हैं। गत वर्ष की टीम जिसमे पूर्व अध्यक्ष के के दुबे ,पूर्व सचिव अंकुर माहेश्वरी एवम कोषाध्यक्ष मयंक अरोरा जी सम्मलित थे ने कई प्रेरणादायी सेवा कार्य किये इसका उल्लेख भी कार्यक्रम में रोट के के दुबे जी के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में प्रांतपाल रोट सुनील फाटक ,प्रांतसचिव रोट अखिल मिश्रा ,रोट अरुण खरद उपस्थित थे।इस आयोजन में 10 रोटेरियन भी क्लब में जोड़े गए।जोड़े गए सदस्यों में अखिलेश , अनिमेष ,बलराम ,जितेंद्र ,सुचित ,अमर ,आसुतोष ,रविन्द्र है। नवीन अध्यक्ष का परिचय पूजा राय ने और नवीन सचिव का परिचय चार्मी छेड़ा ने दिया। कार्यक्रम के शुरू में रेणु जैन ,तृप्ति माहेश्वरी ,नेहा वर्मा सरस्वती वंदना का पाठ किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ रोट .उत्तम माहेश्वरी, रोट प्रियनकुश जैन,रोट प्रवीण अग्रवाल ,डॉ हर्ष राय,रोट कौशिक ,रोट मितेश ,रोट मयंक ,अनिका अग्रवाल , शैनी आदि उपस्थित रहे।

फैशन शो के बहाने पर्यावरण बचाने प्रतिभागियों ने रखे अपने विचार

जबलपुर । हैप्पी क्लब द्वारा सावन के पावन पर्व पर हरियाली तीज का आयोजन अनमोल क्लासिक नेपियर टाउन में किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रियंका मिश्रा अधिवक्ता, सुषमा शाही मिस इंडिया एलिगेंट, प्रियंका पोद्दार पटेल, और जन समस्या से वर्षा कालिया उपस्थित रही । सभी अतिथियों स्वागत सम्मान तुलसी का पौधा देकर किया इस वर्ष हरियाली तीज में फैशन शो के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने सभी क्लब की प्रतिभागियों से उनके विचार पूछे गए । और प्रकृति को बचाने का संदेश क्लब की अध्यक्ष रजनी वर्मा ने कार्यक्रम में आए सभी सदस्यों को तुलसी का पौधा देकर उसे अपने घर के आंगन बालकनी और छतों पर लगाकर प्राण वायु देने वाली मां तुलसी को प्रदान किया । इस अवसर पर तरनजीत, निशा, मिताली, सपना, नीलम, मीना सुनीता, नीति, संगीता इत्यादि शामिल हुए ।

मुहर्रम का चांद आज नजर आने की उम्मीद

जबलपुर। मुफ्ती ए जाजम मप्र मौलाना मोहम्मद हामिद अहमद सिद्धीकी के अनुसार 9 अगस्त मुताबिक उन्तीस जिल्हज सोमवार को मुहर्रम का चांद नजर आने की उम्मीद है। आजकल मौसम बरसात में आसमान में अब्र आलूद रहता है। लिहाजा सायं के सायं मगरिब के वक्त चांद देखने का पूरी कोशिश करें। चांद नजर आने पर मौलाना साहब के मोबाइल नंबर 9926315991- 9302256729 पर फौरन इत्तिला दें ताकि जरूरत पड़ने पर राब्ता कायम करने में सहूलियत और मुहर्रम के पहले चांद का ऐलान किया जा सके। गौरतलब है कि पहली मुहर्रम से इस्लामी नये साल हिजरी सन 1443 का आगाज होगा।

आज सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर। कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि ललपुर जलप्रदाय योजनांतर्गत 55 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र का संधारण कार्य आज दिनांक 9 अगस्त 2021 को किया जाना है, जिसके चलते सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। उन्होंने बताया कि संयंत्र से भरी जाने वाली टंकियों क्रमशः ग्वारीघाट, भीम नगर, शारदा नगर, एस.बी.आई. कॉलोनी, चॉदमारी तलैया, सिविल लाईन, दंगल मैदान, सिद्ध बाबा, मदार छल्ला, भोला नगर, बेलबाग, करिया पॉथर, कटंगा, कुलीहिल व तिलहरी से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। इस अतिमहात्वपूर्ण कार्य के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए प्रशासक श्री बी. चन्द्रशेखर, निगमायुक्त संदीप जी.आर. ने खेद व्यक्त किया है।

कालेज के छात्रों को ओपन बुक से परीक्षा देने का एक और मौका..!

जबलपुर। मध्यप्रदेश में कालेज के छात्रों को परीक्षा देने का एक और अवसर दिया जा रहा है, जून-जुलाई में ओपक बुक सिस्टम से हुई परीक्षा में किसी कारणवश जो छात्र परीक्षा नहीं दे पाए है, वे इसमें शामिल हो सकेगें.इस आशया की घोषणा उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने की है, उनका कहना है कि प्रदेश के करीब 18 लाख छात्र-छात्राओं के भविष्य का सवाल है, जिन्हे एक और अवसर दिया जा रहा है.बताया गया है कि परीक्षाएं इसी महीने के अंतिम सप्ताह में होगी, सभी कालेज व विश्वविद्यालय यह प्रक्रिया समय से पूरी कर लेगें, वे छात्र जो कोरोना संक्रमण के कारण ओपन बुक परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे उनके लिए अब विशेष परीक्षाएं आयोजित की जाएगी(

बेसहारों का सहारा बना केयर बाय कलेक्टर

जबलपुर। इन दिनों शहर में बहुचर्चित केयर बाय कलेक्टर व्हाट्सएप नम्बर वरदान सिद्ध हो रहा है।पुलिस अधीक्षक चौराहे पर बाबू जगमोहन दास प्रतिमा के समक्ष एक अज्ञात व्यक्ति दर्द से कराह रहा था, इस बीच सौरभ पांडे की नजर उस व्यक्ति पर पड़ी, उन्होंने केयर बाय कलेक्टर के व्हाट्सएप नम्बर 7587970500 पर मैसेज किया और प्राप्त मैसेज पर नजर पड़ते ही कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने कलेक्टरेट कंट्रोल रूम में पदस्थ अनिल मरावी, दीपक अहिरवार, उमेश यादव को तत्काल पहुँचने का निर्देश दिया जिसके फलस्वरूप टीम ने पहुँचकर अज्ञात व्यक्ति की गंभीर हालत को देखते हुए एम्बुलेंस के सहयोग से विक्टोरिया हॉस्पिटल पहुँचाया गया।

नियंत्रित कार्य राष्ट्र को विकास की ओर ले जा सकता है :आचार्य श्री

जबलपुर। आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज ने पूर्णायु परिसर में दयोदय तीर्थ प्रवचन माला में कहा विकास की बात हर क्षेत्र में हो रही है जब अच्छाई की ओर जाते हैं तो वह विकास है और यदि अनियंत्रित हो जाए तो विनाश हो जाता है , जैसे शरीर का विकास होना अत्यंत आवश्यक है लेकिन विकास के नाम पर बढ़ती चर्बी मनुष्य को विनाश की ओर ले जाती है, यानी विपरीत तत्वों का विकास ना हो यह सावधानी मानव शरीर में भी रखनी चाहिए और देश के विकास में भी ।बच्चे के लिए क्या हानिकारक है इसका बोध उसे नहीं होता लेकिन जिन्हें इसका बोध होता है उन्हें फुर्सत नहीं है कि बच्चों को समझा दें, विकास और विनाश के दोनों बिंदुओं के बारे में समझ आवश्यक है ।दुनिया में अनेक राष्ट्र विकासशील है भारत को भी विकासशील कहा जाता है, यह बात समझना अत्यंत कठिन है की भारत को विकासशील क्यों मानते हैं? मुझे संतोषजनक उत्तर कभी नहीं मिला , जब मैं विकसित राष्ट्र के बारे में पूछता हूं कि कौन से राष्ट्र विकसित हैं तब भी संतोषजनक उत्तर नहीं मिलता, जिन्हें आप विकसित राष्ट्र कहते हैं वह कौन से आदर्शों का पालन कर रहे हैं , आज विकसित राष्ट्र बनने की होड़ सी मची है लेकिन आदर्शों की बात कोई नहीं करता , कोरोना महामारी में तो यह भी पता चल गया कि कौन राष्ट्र विकसित है और कौन से विकासशील कौन से अविकसित । पूरी दुनिया ने एक साथ महामारी को झेला , चाहे वह विकसित हो या अविकसित सभी का भेद खुल गया। कई विकसित देशों में विकासशील देशों से ज्यादा महामारी का असर हुआ। पूर्व राष्ट्रपति कलाम साहब कहते थे कि मैं भारत को विकासशील राष्ट्र नहीं मानता क्योंकि वह इस धारणा से कभी विकसित राष्ट्र नहीं बन पाएगा हमें विश्वास होना चाहिए हम प्रगति पथ पर है । भारत को यदि विकसित राष्ट्र बनाना है तो हम क्या उत्पादन कर रहे हैं ,क्या उपभोग कर रहे हैं जो हमारे देश पर , हमारे नागरिकों के लिए अनुकूल है यह याद रखना आवश्यक है। यह भी आवश्यक है कि आय के अनुसार ही व्यय किया जाएं , क्या जब भी फूंकोगे दीपक बुझेगा ? ऐसा नहीं है कि हमेशा फूंख से आग बुझती ही है? ऐसा नही है नियंत्रित फूंख से अग्नि प्रज्वलित भी होती है इसका उदाहरण सोने का काम करने वाले सुनार के पास देखा जा सकता है वह नियंत्रित फूंख से सोने में विकास करता है जिस से सोने की मूल्य वृद्धि कर देता है , इसी तरह नियंत्रित कार्य राष्ट्र को विकास की ओर ले जा सकता हैं , अभी भारत की नीति आय से अधिक व्यय की है जिसे बदल कर भारतीय संस्कृति के अनुरूप किया जाना चाहिए । आचार्य भगवन की पूजन करने का परम सौभाग्य लार्डगंज जैन मंदिर ट्रस्ट कमेटी एवं लार्डगंज जैन मंदिर महिला परिषद को प्राप्त हुआसाथ ही परम् तपस्वी आचार्य महाराज जी को पड़गाहन कर आहार कराने का परम सौभाग्य मनोज जैन (कुमार स्टोर्स) एवं उनके परिजनों को प्राप्त हुआ ।

आयुध निर्माणियों में मनाया धिक्कार दिवस

जबलपुर यशभारत।अगस्त क्रांति के अवसर पर सेंट्रल ट्रेड यूनियन एवं महासंघो के आह्वान पर आज पूरे देश भर में धिक्कार दिवस एवं भारत बचाओ दिवस के रूप में मनाया गया। इसी तारतम्य में आज आयुध निर्माणी खमरिया जी सी एफ और जी आई एफ सहित तमाम केन्द्रीय संस्थानों में कर्मचारियों ने सरकार की श्रम कानूनों में बदलाव निगमीकरण ईडीएसओ आदि के विरोध में नारे बाजी की। ए आई डी ई एफ से संबंधित लेबर यूनियन भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ से संबंधित कामगार यूनियन आई एन डी डब्ल्यू एफ एवं नेशनल प्रोग्रेसिव डिफेंस एंप्लाइज फेडरेशन से संबंधित एसटीएससी यूनियन ने ड्यूटी जाते समय नारेबाजी की । इस अवसर पर खमरिया मे रामप्रवेश राकेश शर्मा अर्नब दासगुप्ता इंटक के अरुण दुबे आनंद शर्मा अमित चौबे अखिलेश पटेल अनिल गुप्ता रूपेश पाठक हरिहर मीना पुष्पेंद्र सिंह राजेंद्र कुमार शशि भूषण पासवान शरद अलवर राकेश रंजन कृष्ण कुमार शर्मा राजेंद्र मीणा हरीश चौबे संतोष सिंह एवं जी आई एफ मे मजदूर यूनियन के श्री राम मीणा मनोज साहू राकेश दुबे जनता यूनियन के शशिभूषण पांडे भूपेन्द्र दाहिया संजय रजक के साथ जी सी एफ मे विद्या नगर गेट पर मिठाई लाल रजक उत्तम विश्वास रोहित यादव राजा पांडे राकेश रजक आशीष विश्वकर्मा आदि ने नारेबाजी करते हुए विरोध जताया।

श्रम कानूनों में बदलाव निगमीकरण का विरोध

मोबाइल शॉप का झज्जा खोलकर 40 हजार के मोबाइल पार

लार्डगंज में डॉक्टर के क्लीनिक से 20 हजार का सामान ले उड़े चोर

जबलपुर, यशभारत। थाना कटंगी अंतर्गत जहां एक मोबाइल शॉप को निशाना बनाकर चोरों ने शॉप का झज्जा तोड़कर करीब 40 हजार के मोबाइल पार कर दिए तो वहीं थाना लार्डगंज अंतर्गत एक डॉक्टर के क्लीनिक से करीब 20 हजार रुपए का सामान चोरी कर, रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने दोनों ही मामले दर्ज कर, जांच में लिए है।

जानकारी अनुसार मोहम्मद अकील मंसूरी उम्र 17 वर्ष निवासी पंचमपुरा ने पुलिस को बताया कि उसकी मदार मोबाइल शॉप के नाम से मोहन दुकान तिराहा कटंगी में मोबाइल शॉप है। देर रात वह मोबाइल शॉप बंद कर घर चला गया था। आज दुकान खोली तो सामान बिखरा पड़ा था तथा ऊपर का टीन खुला हुआ था। कोई चोर उसकी मोबाइल शॉप के ऊपर का टीन खोलकर, अंदर रखे एमआई कम्पनी एवं रियलमी कम्पनी, जिओ कम्पनी, के 5 नग मोबाइल एवं 15 नग कीपेड मोबाइल कीमती लगभग 40 हजार रूपये के उड़ा ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। गिरफ्तारी के प्रयास जारी है।

डॉक्टर के क्लीनिक से एसी के वायर, एलइडी बल्व किए पार

तो वहीं, थाना लार्डगंज में डॉक्टर सुनील सिंह चौहान उम्र 46 वर्ष निवासी धनवंतरीनगर संजीवनीनगर ने पुलिस को बताया कि वह प्राईवेट डेंटल क्लीनिक चलाता है। उसकी क्लीनिक आगा चौक राजुल काम्पलेक्स में है जहां एसी लगे हुये हैं । रात में किसी चोर ने 2 एसी में लगे कॉपर के वायर लगभग 20 फिट एवं क्लीनिक में लगे एलएडी बल्व 2 नग कीमती लगभग 20 हजार रूपये के चोरी कर लिये। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

गोहलपुर में किराना व्यापारी को चाकू घोंपा : 2 हजार की मांग रहे थे रंगदारी

जबलपुर, यशभारत। थाना गोहलपुर में दबंगों ने एक किराना दुकान संचालक से 2 हजार रुपए की अवैध वसूली की मांग करते हुए उसके पैर में चाकू घोंप दिया। जानकारी अनुसार जयकुमार गुप्ता उम्र 30 वर्ष निवासी मालगुजार परिसर के पीछे नर्मदा नगर ने पुलिस को बताया कि वह किराने की दुकान चलाता है। देर रात वह अपनी दुकान बंद कर रहा था तभी सुमित दाहिया, उदय उर्फ उददू तथा अमन बेन आये और उससे शराब पीने के लिये 2 हजार रूपये की मांग करने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो अमन बेन एवं उदय ने उसे पकड़ लिया और सुमित ने चाकू से हमला कर पैर का घुटना जख्मी कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

मजदूरी कर लौट रहे युवक पर चाकू से हमला : 1 हजार की कर रहे थे अवैध वसूली

जबलपुर, यशभारत। थाना अधारताल अंतर्गत दबंगों का कहर जारी है। जिसके चलते एक श्रमिक को बीच रास्ते रोककर, 1 हजार की अवैध वसूली और पैसे न देने पर चाकू घोंपकर, मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस दबंग आरोपियों की सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है। जानकारी अनुसार सौरभ पटैल उम्र 23 वर्ष निवासी कंचनपुर ने पुलिस को बताया कि वह मजदूरी करके घर वापस आ रहा था रास्ते में झिरिया में बाबू ठाकुर एवं संतोष यादव मिले और उससे 1 हजार रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो गाली गलौज करते हुये संतोष यादव ने उसे पकड़ लिया और बाबू ठाकुर ने चाकू से हमला कर जख्मी कर दिया। जिसके बाद दोनों ने जमकर मारपीट करते हुए उसे अधमरा कर दिया और जख्मी हालत में छोड़कर भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

सुपर स्पेशलिटी संस्थान में भारी अराजकता का माहौल

कोरोना योद्धाओं में भारी आक्रोश

जबलपुर। मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल मेडिकल जबलपुर के कोरोना योद्धाओं में भारी रोष व्याप्त है । इन कर्मचारियों को आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाले मानदेय नहीं दिया जा रहा है, मार्च 2021 को कार्यकारणी में आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाले मानदेय का अनुमोदन किया गया था तथा संभागीय आयुक्त द्वारा भी 15 जून 2021 को आदेशित किया गया है कि कर्मचारी व अधिकारियों को नियमानुसार मानदेय का भुगतान किया जाये। चिकित्सक और कर्मचारी दोनों ही मेडीकल अधीष्ठाता के अधीन हैं । इनके द्वारा केवल चिकित्सक प्रथम व द्वितीय श्रेणी हेतु आयुष्मान योजनान्तर्गत मानदेय का आदेश किया गया हैं तथा आज दिनांक तक किसी भी तृतीय श्रेणी व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है । मेडिकल प्रशासन द्वारा पल्मोनरी मेडिसन विभाग में पदस्थ टेक्नीकल स्टॉफ व पेरामेडिकल स्टॉफ को नियम विरूद्ध भुगतान किया जा रहा है, लेकिन अन्य विभाग में पदस्थ टेक्नीकल स्टॉफ व पेरामेडिकल स्टॉफ को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है। इसके साथ ही कोरोना योद्धाओं को अवकाश देने में भो हीलाहवाली की जा रही है। यहां पर ऑपरेशन थियेटर व डायलेशिस सेंटर में कार्यरत टेक्नीशियन कर्मचारियों को 2400 रूपये का ग्रेड पे दिया जा रहा है, जबकि प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज में इन्हीं कर्मचरियों का 2800 रूपये का ग्रेड पे दिया जा रहा है। संघ के अरवेन्द्र राजपूत, वीरेन्द्र तिवारी, घनश्याम पटेल, आलोक अग्निहोत्री, शाहिल सिद्दीकी, ब्रजेश मिश्रा, मनोज खन्ना, राजेश चतुर्वेदी, प्रशांत श्रीवास्तव, राजकुमार मिश्रा, रमेश उपाध्याय, अजय दुबे, गोपाल नेमा, विकास तिवारी, जितेन्द्र पाण्डेय, सुनील अहिरवार, संदीप पाठक, शुभन्य जैन, संतोष तिवारी आदि ने संभागीय आयुक्त, जबलपुर एवं अधीष्ठाता, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, मेडीकल कॉलेज जबलपुर से मांग की है कि कोरोना योद्धाओं की लंबित समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए।

जल जंगल व जमीन बचाने के लिए शुरू हुआ हस्ताक्षर अभियान

जबलपुर। जल जंगल व जमीन बचाने के लिए शुरू हुआ हस्ताक्षर अभियान जबलपुर विश्व आदिवासी दिवस पर आज शहर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इसी कड़ी में अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेसी एवं अखिल भारतीय आदिवासी शबरी महासंघ तथा अन्य संगठनों की ओर से अधारताल तिराहे पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया । बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। पूर्व मंत्री कौशल्या गोंटिया ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान आदिवासियों की जल जंगल और जमीन बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान और आदिवासी कानून लागू करने के लिए राज्यपाल के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया । सुश्री कौशल्या गोंटिया ने कहा कि छतरपुर वक्सवाह का जंगल समाप्त किया जा रहा है। जबलपुर में डुमना नेचर पार्क में जंगल समाप्त किया जा रहा है । आदिवासियों के लिए कानून लागू नहीं किया जा रहा है और कमलनाथ सरकार ने आदिवासी दिवस पर एक दिन का पूर्ण अवकाश घोषित किया था जिसे शिवराज सरकार ने ऐच्छिक कर आदिवासी समाज का अपमान किया है जो बर्दाशत नहीं किया जाएगा। आदिवासी अपना हक लेकर रहेंगे। इसी कड़ी में बसपा द्वारा भी बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया सुबह 9 :00 बजे विश्व आदिवासी दिवस पर माल्यार्पण कर आदिवासी दिवस मनाया गया जिसमें जिला अध्यक्ष लखन अहिरवार समेत जिला महासचिव राकेश समुद्री समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

क्रांति दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों को पुष्पांजलि

जबलपुर। जिला शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस सेवा दल एवं नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा सोमवार 9 अगस्त को क्रांति दिवस मनाया गया। प्रातः 10 :00 शहीद स्मारक गोल बाजार मैं वंदे मातरम से कार्यक्रम आरंभ हुआ झंडा वंदन ,अतिथियों केसंक्षिप्त उद्बोधन और राष्ट्रीय गान के पश्चात सभी कांग्रेस जन शहीदों की कर्म स्थली तिलक भूमि तलैया में स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की । विक्टोरिया हॉस्पिटल टाउन हॉल गांधी भवन स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा में पुष्पांजलि कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम में कोरोना प्रोटोकॉल का पूरा-पूरा पालन किया गया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव, जिला शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी ग्रामीण अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव प्रवक्ता जितेंद्र यादव यूथ विंग अध्यक्ष यतेंद्र सोनी महिला विंग अध्यक्ष एडवोकेट मीनाक्षी स्वामी सारिका सिंह महेश मिश्रा विष्णु विनोदिया मोनिका सिंह रीना विश्वकर्मा विनय नेमा राकेश चक्रवर्ती राज कुमार झारिया सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूदे रहे।

आईजीएस जबलपुर चैप्टर का राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित, दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

जबलपुर। आईजीएस जबलपुर चैप्टर और स्टूडेंट्स चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में आईजीएस इंदौर चैप्टर के चैयरमेन और एसजीएस, आईटीएस इंदौर के प्रोफेसर डॉ एच के महियार द्वारा व्याख्यान दिया गया। जिसमें उन्होंने बताया

कि यदि आसपास मकान बने हुए हैं तो कोने के कालम के लिये या एसेंट्रिक फुटिंग के लिये किस प्रकार की नींव दी जाए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईजीएस संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर एनके समाधिया ने इंजिनीयरिंग विद्यार्थियों के लिये इस व्याख्यान को अत्यंत उपयोगी बताया, उन्होंने कहा कि इस प्रकार के रिसर्च कार्य को और आगे बढाना चाहिए, संस्था अध्यक्ष इंजी संजीव वर्मा द्वारा प्रतिभागियों और अतिथियों का स्वागत किया गया। संस्था सचिव डॉ संजय वर्मा ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। स्टूडेंट चैप्टर के इंजीनियर सागर श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संयोजन एवं प्रोफे वेदांत श्रीवास्तव ने आभार प्रदर्शन किया। इस वेबीनार में डॉ गोविंद परचानी, डॉ ए पी सिंह, डॉ सुधीर भट्ट, डॉ सतीश शर्मा, इंजी आशुतोष कुतुम्बले, इंजी के सी जैन सहित विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेज के लगभग सौ प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को ई.सर्टिफि केट भेजे गए।

स्वामी अखंडानंद सरस्वती का प्राकट्य दिवस मनाया

जबलपुर । श्रीमद्भागवत के प्रकांड ज्ञाता एवं अनेक धर्म ग्रंथों के रचयिता पूज्य स्वामी अखंडानंद सरस्वती महाराज का 111 वां प्राकट्य महोत्सव साकेत धाम ग्वारीघाट में मनाया गया द्य इस अवसर पर साकेत धाम के अधिष्ठाता स्वामी गिरिशानंद सरस्वती महाराज ने स्वामी अखंडानंद के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित किए द्य यहां विराजे भगवान श्री रामेश्वरम् महादेव का मौसमी फलों एवं फूलों से श्रृंगार किया गया द्यअपने प्रवचनों में स्वामी गिरिशानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि स्वामी जी का जन्म वाराणसी के एक छोटे से गांव में हुआ था उन्होंने अपनी प्रतिभा और धर्म निष्ठा की वजह से संपूर्ण विश्व में सनातन धर्म के ग्रंथों की रचना कर पठन-पाठन कराया ,उनके चिंतन को शब्दों में पिरो कर धर्म ग्रंथों की रचना हुई, इस अवसर पर प्रोफ़ेसर एडीएन बाजपेई प्रोफेसर एसपी गौतम भगवान जी भाई धीरा वाणी चंद्र कुमार भनोट आदि समाज सेवी उपस्थित थे ।

लोगों ने सुना रवींद्र संगीत के सुरों को

जबलपुर, । नाट्यलोक संस्था द्वारा भारतीय राष्ट्रगान के रचयिता, महान दार्शनिक व साहित्यकार, विश्व विख्यात कवि व नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर रविंद्र संगीत की आनलाइन प्रस्तुति नाट्यलोक संस्था के फेसबुक पेज पर की गई। जिसमे रविंद्र नाथ टैगोर की छह रचनाओं का गायन किया गया।

इन रचनाओं में एक टुकु छुआ लगे, आमार बैला जे जाए, आनोंदो धारा बोही, ओ? भाई फागुन लेगे छे, एकला चलो रे, फागुन हवाये हवाये की प्रस्तुति कलाकारों ने दी। खास बात यह रही कि पहले दिन जब रवींद्र संगीत से सजे इन गीतों की प्रस्तुति आनलाइन हुई तब तो सुनने वालों ने सुना और सराहा ही साथ ही आगे भी इन गीतो को सुनने की इच्छा जताई। लोगों की डिमांड पर कलाकारों ने रविवार को सुबह 11 बजे कलाकारों ने इन गीतों की प्रस्तुति दी। जिसे सभी ने बहुत सराहा। दोनों दिनों की प्रस्तुति डॉ. शिप्रा सुल्लेरे के संगीत निर्देशन में दी गई। परिकलपना व संयोजन दविन्दर सिंह ग्रोवर, मार्गदर्शन मलय दास गुप्ता का रहा। सहयोग डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, विनय शर्मा, संजय गर्ग, रविंद्र मुर्हार का रहा। गुरुदेव की कृतियां, आदर्श मूल्य व उच्च विचार सभी देशवासियों के लिए असीम प्रेरणा की स्रोत हैं। विचार के साथ गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर को नाट्यलोक परिवार द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुस्कान सोनी (सितार वादन), मनीषा तिवारी (तबला), समीर सराठे (खोल वादन), श्रेया ठाकुर (गिटार), अनामिका कश्यप (वॉयलिन), रंजना निषाद, शालिनी अहिरवार,श्रुति जैन, अंजलि सोनी अनुराग ठाकुर, सूर्यांश नेमा, माही सोनी, मानसी सोनी, प्रगीत शर्मा द्वारा रविंद्र संगीत गायन की प्रस्तुति दी गई। नाट्य लोक से दविंदर सिंह ग्रोवर ने बताया कि हर वर्ष गुरुदेव की पुण्यतिथि पर नाट्यलोक द्वारा विविध आयोजन किए जाते हैं। कोरोना को देखते हुए इस वर्ष यह आयोजन आनलाइन किया गया। जिसकी रिकॉर्डिंग के लिए पूरी टीम ने बहुत मेहनत की।

डोर टू डोर कचरा प्रबंधन के लिए नागरिकों को किया गया जागरूक

जबलपुर। डोर टू डोर कचरा प्रबंधन के कार्यों को गति प्रदान करने एवं इस प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए निगमायुक्त संदीप जी आर के द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

निगमायुक्त के निर्देश पर सभी संभागों में मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों के द्वारा नागरिकों एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है। निगमायुक्त के निर्देश पर रविवार के दिन संभाग क्रमांक 9 लालमाटी के मुख्य स्वच्छता निरीक्षक अनिल मिश्रा ने अपनी टीम के साथ संभाग के अंतर्गत आने वाले वार्डों के रहवासी एवं व्यापारिक क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित किया एवं उन्हें डोर टू डोर कचरा प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य स्वच्छता निरीक्षक अनिल मिश्रा ने डोर टू डोर कचरा प्रबंधन व्यवस्था में नागरिकों एवं व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाला कचरा सड़कों एवं खुले स्थानों पर न फेंकते हुए अलग-अलग डस्टबिन में डालें एवं कचरा गाड़ी आने पर गाड़ी में ही कचरा दें। निगमायुक्त ने बताया कि नागरिकों एवं व्यापारियों को जागरूक करने के लिए निरंतर अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा है कि शहर के सम्माननीय नागरिकों के सहयोग से ही शहर को साफ सुंदर एवं स्वच्छ रख सकते हैं।

ओलंपिक में पदक की आस पर
खिलाड़ियों की पुरुस्कार राशि घटाकर कर दिया निराश

जबलपुर। ओलंपिक में भारत का स्वर्ण पदक आने से जहाँ पूरे देश का मान बढ़ा है वहीं कड़ी मेहनत कर राष्ट्रीय स्पर्धा में पदक जीतकर मध्यप्रदेश का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियो की पुरुस्कार राशि खेल विभाग के अधिकारियों ने कम कर खिलाडीयो में निराशा उत्पन्न कर दी। विदित हो कि विगत सत्र के सबजूनियर, जूनियर व सीनियर राष्ट्रीय वूशु स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश के खिलाडीयो ने 39 स्वर्ण, 32 रजत व 30 काँस्य सहित कुल 121 पदक जीतकर मध्यप्रदेश को चैंपियन बनाकर सम्पूर्ण भारत मे गौरवान्वित किया परन्तु जब खिलाड़ियो को पुरुकार राशि देने का समय आया तब मध्यप्रदेश शासन के पुरुकार नियम 2019 को ताक पर रख अत्यंत कम राशि खेल विभाग के द्वारा खिलाड़ियो के खाते में भेज दी गई जिससे खिलाड़ियों के मन में निराशा उत्पन्न हो गई और दर्जनों नेशनल मेडलिस्ट व अवार्डी खिलाड़ियो ने प्रशिक्षक मनोज गुप्ता के साथ कैंट विधायक अशोक रोहाणी को ज्ञापन सौंप कर अपनी पीड़ा व खेल अधिकारियों की दोषपूर्ण कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित वॉटरस्पोर्ट अकादमी भोपाल के खिलाडीयो ने भी ऐसी ही शिकायत खेल मंत्री तक भी पहुचाई है। अशोक रोहाणी ने सभी खिलाड़ियों को आश्वस्त किया कि वे भोपाल जाकर खेल अधिकारियो से मिल कर पुरुकार नियमानुसार सभी को प्राइजमनी उपलब्ध कराकर खिलाडीयो के जोश को कायम रखेंगे।

अतिथि शिक्षिकों को नियमित करने की उठी मांग

जबलपुर। मध्यप्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति ने बताया कि प्रदेश के लाखों अतिथि शिक्षक कोरोना महामारी के चलते स्कूलों के बंद रहने से बेरोजगार हो गये है, या यूं कहिए कि दाल रोटी को मोहताज हो गये है। यदि देखा जाए तो पहले ही अतिथि शिक्षकों को न्यूनतम राशि मिलती थी, यानि कि महिने में जितने दिन स्कूल लगता था, उतने ही दिन की राशि उन्हें दी जाती थी, जो पहले ही जीवकोपार्जन चलाने के लिए पर्याप्त नहीं थी, लेकिन वे इस भरोसे पर कार्य करते आ रहे थे की शायद कभी शासन-प्रशासन का इस ओर ध्यान जाएगा और उन्हे उनके इतने सालों की सेवा के बदले शिक्षा विभाग में नियमित किया जाएगा, लेकिन हमेशा से ही सिर्फ और सिर्फ उन्हे आश्वासन ही मिलता रहा, लेकिन उन्हें नियमित नहीं किया गया ।संघ के प्रांताध्यक्ष उदित भदोरिया, जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, मीनूकांत शर्मा, स्टेनली नॉबर्ट, शहीर मुमताज़, दिनेश गौड़, हेमंत ठाकरे, कैलाश शर्मा, अरूण जैन, एनोस विक्टर, आशाराम झारिया, विनोद सिंह, गोपीशाह, भागीरथ सिंह, लक्ष्मण झारिया, गुडविन चार्ल्स, त्रिलोक सिंह, अनूप सिन्हा, आशीष कोरी, शरीफ अंसारी, आशीष विश्वकर्मा, वसुमुद्दीन आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रदेश के अतिथि शिक्षकों को नियमित किया जाए।

अगर आपके पास भी है रसोई गैस कनेक्शन तो इस सुविधा का मुफ्त में लाभ उठाएं

जबलपुर। एलपीजी गैस सिलेंडर लेने के लिए पहले आप लंबी लाइन में लगकर घंटो खड़े रहकर कड़ी मशक्कत करने के बाद इसे हासिल कर पाते थे। लेकिन अब सरकार द्वारा इसके प्रबंधन में काफी सुधार किया गया है। अब एलपीजी गैस सिलेंडर लेने के लिए अपको अपना कीमती समय खराब नहीं करना प?ता है, बस ऑनलाइन या फिर मैसेज के द्वारा की गई बुकिंग से ही घर पर ही सिलेंडर आ जाता है। वहीं पहले रसोई गैस कनेक्शन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। कई तरह के कागजी कार्रवाई में ही इंसान उलझा रहता था लेकिन अब इसे भी काफी सरल बना दिया गया है और अब इन्ही सुविधाओं को आगे बढ़ाते हुए सरकार द्वारा एक सुविधा आपको और दी जाने लगी है,।

एक पते पर दूसरे कनेक्शन की सुविधा

रसोई गैस की डिलिवरी प्रक्रिया को आसान बनाते हुए एक नई सुविधा को शुरू किया गया है और यह सुविधा है कि अब दूसरा कनेक्शन भी आपको उसी पते पर परिवार के किसी और दूसरे सदस्य के नाम पर मिल सकता है। गैस कंपनियां कई तरह की स्कीम के साथ आपको यह कनेक्शन उपलब्ध कराती हैं, जिसमें चूल्हा, गैस की पाइप लाइन और रेगुलेटर शामिल रहता है। इस दौरान आपके पास यह ऑप्शन होता है कि आप कौन-कौन सा सामान लेना चाहते हैं और इसके लिए आपको कितने पैसे देने होंगे।

एक ही परिवार में दो लोगों को मिल सकता है गैस कनेक्शन

पहले के समय में एक कनेक्शन जिस घर में हुआ करता था तो उस घर मे दूसरा कनेक्शन नहीं मिलता था लेकिन इसे आसान बनाते हुए इस सुविधा को भी चालू कर दिया गया है। इसके अनुसार अगर परिवार मे पहले से ही एक कनेक्शन है और दूसरा कनेक्शन लेना चाहते हैं तो उसी पते पर परिवार के दूसरे सदस्य को दूसरा कनेक्शन आसानी से मिल जाएगा। इसके लिए प्रक्रिया भी काफी आसान बना दी गई है, आपको अपना आधार कार्ड और कनेक्शन के दस्तावेजों की कॉपी जमा करनी होगी। इस सुविधा के अनुसार आप देश के किसी भी कोने में हों आपको दूसरा कनेक्शन आपके निवास पर मिल सकता है। इसके साथ ही कनेक्शन पर सब्सिडी का लाभ भी दिया जा रहा है।

एक ही पते पर कई कनेक्शन

जरूरत के अनुसार अगर आपका परिवार बड़ा है और एक कनेक्शन से आपका गुजारा नहीं हो पाता या कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है तो इस सुविधा का लाभ आप भी उठा सकते हैं। एक ही पते पर आप अपनी जरूरत के अनुसार कई कनेक्शन ले सकते हैं। इसका कारण यह है कि बहुत से परिवार ऐसे हैं कि वह एक ही पते पर तो रहते हैं लेकिन उनका परिवार अलग-अलग होता है। इस विषय को ध्यान में रखते हुए इस सुविधा को शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत कई तरह के लाभ भी मिले हैं, इसके साथ ही ऑयल मार्केटिंग कंपनियां भी कई तरह की छूट दे रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा इस योजना पर रियायत भी दी जा रही है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ ले सकें।

आवश्यकता है

ज्वेलरी शोरूम के लिए अनुभवी सेल्समेन एवं सेल्सगर्ल, कैश काउन्टर के लिए सीनियर सिटीजन, स्टाफ मैनेजमेंट की आवश्यकता है।

संपर्क
श्री हनुमंत छाया ज्वेलर्स गोहलपुर मालगुजार परिसर के पहले
मो.9977112211
बायोडाटा सहित संपर्क करें

FOR SALE

Newly renovated luxury 3BHK Duplex in Civil Lines, Pachpedi,Near VC Bungalow is available for sale. Only
Genuine buyers contact to Mr.Arun Mob.-9826155990,6260207272 & Mr. HKP Mishra Mob.-7748995534.
Brokers please excuse.

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना संख्या
DYCE-CI- BPL-08 & 09-2021
दिनांक: 03.08.2021

ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य अभियंता -I/निर्माण/पश्चिम मध्य रेल/भोपाल, निम्न लिखित कार्यों के लिए आमंत्रित करता है क्र. -1, **निविदा संख्या** - Dy.CE(C)-I/ BPL/ 08 /2021 (एकल लिफाफा पद्धति) **कार्य का नाम- पोवार खेडा- जुझारपुर के बीच** (Ch 0.000 m to Ch 16000m) अप दिशा में सिंगल लाइन फ्लाईओवर के संबंध में पी.वे. सामग्री के परिवहन और आपूर्ति के साथ ट्रेक और यार्ड रीमॉडलिंग को जोड़ना और ऊंचाई गेज का प्रावधान। **निविदा का अनुमानित मूल्य (रू.)** - 862.99 लाख, **बयाना राशि (रू.)** - निल, **समापन अवधि**- 12(बारह) माह मानसून एवं फसल सहित, क्र. -2, **निविदा संख्या** - Dy.CE(C)-I/ BPL / 09 / 2021 (दो लिफाफा पद्धति) **कार्य का नाम**- अप दिशा में पोवरखेड़ा-जुझारपुर सिंगल लाईन फ्लाईओवर के संबंध में 0.00 किमी से 5.00 किमी. तक भरने/काटने और छोटे पुलों/पुलियों के निर्माण में मिट्टी का काम Br No.1, 2, 3, 4, 8, 9, 10, 10ए, 13ए एवं विविध कार्य। **निविदा का अनुमानित मूल्य (रू.)** - 2017.44 लाख, **बयाना राशि (रू.)** - निल, **उपरोक्त सभी निविदाओं की ई - निविदा बंद होने की तिथि**- 26.08.2021 को 15:00 बजे, **समापन अवधि**- 09 (नौ) माह मानसून एवं फसल सहित, ई-निविदा संबंधित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं उप मुख्य अभियंता- 1/निर्माण/पश्चिम मध्य रेल/भोपाल के सूचना पटल पर भी उपलब्ध है। ई-निविदा के अतिरिक्त अन्य कोई भी निविदा मान्य नहीं होगी। यदि निविदा संबंधी कोई शुद्धिपत्र जारी किया जाता है तो वह केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही उपलब्ध रहेगा।

उप मुख्य अभियंता-1/निर्माण पश्चिम मध्य रेल/हबीबगंज/भोपाल

वैक्सीन लगवाएं, जीवन के सफर को सुरक्षित बनाएं।

संपादकीय

आज भारत छोड़ो आंदोलन के मायने

ऐसे वक्त में जब देश आजादी का अमृत–महोत्सव मनाने की ओर कदम रख रहा है, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों का पुण्य स्मरण हर भारतीय का फर्ज बनता है। वे तमाम आंदोलन व घटनाएं याद की जानी चाहिए, जिनके चलते आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देश की आजादी की लड़ाई में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारत छोड़ो आंदोलन ऐसा निर्णायक मोड़ था, जिसने अंग्रेजों को अहसास कराया कि अब भारतीयों को गुलाम बनाकर रखना असंभव है। यही वजह है कि आठ अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन शुरू होने के तुरंत बाद सभी राष्ट्रीय, प्रांतीय तथा स्थानीय कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद यह आंदोलन डेढ़ साल तक चला, जिसने ब्रिटिश सत्ता की चूलें हिला कर रख दी। सही मायनों में सामूहिक नागरिक अवज्ञा आंदोलन पूरे देश में करो या मरो की तर्ज पर चला। इसका आह्वान अहिंसक आंदोलन के रूप में हुआ था, लेकिन सारे नेताओं को गिरफ्तार कर लेने के बाद आंदोलन हिंसक भी हुआ, जिसमें उन प्रतीकों व संस्थानों को निशाना बनाया गया जो ब्रिटिश साम्राज्यवाद के पर्याय थे। सही मायनों में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुंबई अधिवेशन में घोषित भारत छोड़ो आंदोलन, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश शासन पर दबाव बनाकर भारत को आजाद करने के लिये बाध्य करने के मकसद से शुरू किया गया था। ब्रिटेन को तब विश्व युद्ध के लिये हर हाल में भारतीय सहयोग की जरूरत थी।

बहरहाल, भारत छोड़ो आंदोलन ने जहां ब्रिटिश साम्राज्यवाद की नींव हिला दी थी, वहीं भारत को एकता के सूत्र में पिरो दिया था। फिरंगियों को अहसास हो गया था कि ज्यादा समय तक भारतीयों पर शासन नहीं किया जा सकता। एक राष्ट्र के रूप में एकता का स्वरूप इस आंदोलन के दौरान बुलंद हुआ। सही मायनों में देश के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हुआ। उत्तर प्रदेश के बलिया, महाराष्ट्र के सतारा और बंगाल के मिदनापुर में बाकायदा स्थानीय सरकारें स्थापित कर ली गईं। कई स्थानों पर स्थानीय प्रशासन पर कब्जा करके गिरफ्तार कांग्रेसी नेताओं तक को रिहा कर दिया गया। सही मायनों में इस आंदोलन के गहरे निहितार्थ थे, जिसने भारतवासियों को सिखाया कि लोकतांत्रिक ढंग से चलने वाले अहिंसक आंदोलनों के जरिये भी बड़े लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। यह भी कि बड़े नेताओं की गिरफ्तारी के बाद अनुशासित जनसामान्य किसी आंदोलन को तार्किक परिणति देने में सक्षम है। मौजूदा वक्त में इस आंदोलन की सफलता के निहितार्थ यही हैं कि समकालीन चुनौतियों का मुकाबला सहभागिता, जागरूकता व एकता के साथ किया जा सकता है। आज भले ही हमने राजनीतिक आजादी हासिल कर ली हो, लेकिन आर्थिक व सामाजिक समानता के लक्ष्य अभी अधूरे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार के मुद्दे ज्वलंत विषय हैं, जिनके लक्ष्य हासिल करने के लिये सरकारों के साथ सामाजिक स्तर पर बड़ी मुहिम की जरूरत है। ऐसे ही अन्य चुनौतियों के मुकाबले को देश को एकता के सूत्र में पिरोने की जरूरत है।

नीरज चोपड़ा का मतलब सोने पर सुहागा

ओलम्पिक खेलों में एथलेटिक्स को सबसे अव्वल स्थान प्राप्त है। शुरुआत के कुछ दशकों में ओलंपिक में एथलेटिक्स या फील्ड एंड ट्रैक प्रतियोगितायें ही छाई रही थींढ्ढ बाद में एनी खेलों को भी जोड़ा गया ढ्ढ कहा जाता है कि खेलों की जननी है एथलेटिक्स। लेकिन, उसी एथलेटिक्स में भारत के हिस्से में ओलंपिक खेलों में कभी कोई महान सफलता नहीं आई थी। लेकिन, टोक्यो ओलंपिक खेलों में जेवलिन थ्रो (भाला फेंक प्रतियोगिता) में गोल्ड मेडल जीतकर नीरज चोपड़ा ने साबित कर दिया कि भारत के खिलाड़ी एथलेटिक्स में भी दमखम रखते हैं। वे अब अपने हिस्से के आकाश को छूने के लिए तैयार हैं। नीरज चोपड़ा टोक्यो ओलंपिक खेलों से पहले ही अपनी स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे थे।

हां, मिल्खा सिंह, गुरुबचन सिंह रंधावा, श्रीराम सिंह, पीटी उषा तथा अंजू बॉबी जार्ज जैसे धावकों ने भारत को एशियाई खेलों से लेकर राष्ट्रमंडल खेलों में कुछ पदक और सफलताएं दिलवाईं थी। पर ये सब ओलंपिक खेलों में पदक पाने से चूक गए थे। उस कमी को अब नीरज चोपड़ा ने पूरा कर दिया। सच में नीरज चोपड़ा ने एक बड़ी लकीर खींच दी है । गोल्ड मेडल जीतने के जश्न के दौरान नीरज चोपड़ा ने इस बात का भी पूरा ख्याल रखा कि तिरंगे को ससम्मान सही ढंग से समेटा जाए। इन छोटी– छोटी बातों से उनके व्यक्तित्व का अंदाजा होता है।

नीरज चोपड़ा ने यह जो गोल्ड मेडल देश को दिलवाया है, उसे जीतने के लिए उन्होंने कितनी क?ी मेहनत की होगी या कितना पसीना बहाया होगा, यह अब किसी को बताने की जरूरत तो नहीं है। उन्हें सारा देश अब करीब से जानने लगा है और अपना हीरो मानने लगा है । उन्होंने देश को स्वर्णिम क्षण देकर सच में बहुत ही बड़ा उपकार किया। कोरोना की दो लहरों से जूझते देश को मानो तो उन्होंने और ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले बाकी खिलाड़ियों ने नई पीढ़ी को संजीवनी दे दी है। भारत इनका सदैव कृतज्ञ रहेगा।

जब नीरज चोपड़ा के हमउम्र लाखों नौजवान उम्र–जनित भावनाओं के वशीभूत हो कर तफरीह, ऐशो–आराम में डूबे होंगे तब नीरज चोपड़ा और अन्य ओलंपिक पदक विजेतागण कड़ी धूप,बारिश और सर्दी में सूर्योदय से शाम तक मैदान पर पसीना बहा रहे होंगे। उन्होंने कई अवरोधों का भी सामना किया होगा। पर उन्होंने न सिर्फ अपने मनोबल को बरकरार रखा, बल्कि; अपने लक्ष्य को भी कभी अपने निगाहों से ओझल नहीं होने दिया। नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक खेलों के इतिहास में ट्रेक एंड फील्ड में भारत का पहला गोल्ड मेडल हासिल करके हरेक भारतीय को गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि देश के लिए अमूल्य और ऐतिहासिक है। ऐसे पल हमारे नसीब में अबतक बहुत कम ही आये हैं।

नीरज चोपड़ा ने जब टोक्यो में जेवलिन हाथ में लिया तब उनकी मेहनत पर यकीन और भरोसा उनके चेहरे पर अंकित था। इस भरोसे ने देश की उम्मीदों को भी परवान चढ़ा दिया था और उन्होंने अपने 130 करोड़ हमवतनों को मायूस भी नहीं किया। उन्होंने देश की झोली उम्मीदों से भी ज्यादा भर कर दे दी।

नीरज चोपड़ा अब मिल्खा सिंह और श्रीराम सिंह की तरह भारतीय सेना के एक और शानदार खिलाडी के तौर पर उभरे है, जिन्होंने एथलेटिक्स में बेहतरीन प्रदर्शन किया। नीरज चोपड़ा अभी तक सूबेदार हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि उन्हें सेना में प्रोन्नत किया जायेगा और कोई बेहतर पद मिलेगा। भारतीय सेना ने अभी तक उनकी ट्रेनिंग आदि के लिए भरपूर निवेश भी किया है। वे पुणे के आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीच्यूट में ट्रेनिंग करते रहे हैं।

नीरज चोपड़ा के गोल्ड मेडल जीतने के बाद अब कुछ बातें भविष्य में होती नजर आ रही हैं। पहली तो यह कि अब हमारे धावकों के सामने नीरज चोपड़ा का उदाहरण होगा कि अगर वे ओलंपिक में पदक ले सकते हैं तो हम क्यों नहीं। इससे देश भर के लाखों नौजवान एथलेटिक्स में आएँगे। वे मेहनत करेंगे और ओलंपिक खेलों में मेडल लाने की हर चंद कोशिश करेंगे। उन्हें सफलता भी मिलेगी। दूसरी संभावना यह भी लग रही है कि अब देश भर के युवाओं का एथलेटिक्स के प्रति आकर्षण ज्यादा बढ़ेगा। नौजवान इस खेल को भी अब अपने करियर के रूप में लेंगे। याद रख लें कि खेलों में करियर बनाना कोई घाटे का सौदा नहीं रह गया है। आप जैसे ही एक मुकाम को छूते हैं तो आपको कोई अच्छी नौकरी तो मिल ही जाती है। उसके बाद धन और दूसरी सुविधाएं भी खिलाडियों को मिलने ही लगती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को विज्ञापनों से भी मोटी कमाई होने लगती है। नीरज चोपड़ा को तो सेना, उनके राज्य, केन्द्र सरकार और दूसरी जगहों से कुल जमा 20 करोड़ रुपये तक तो मिल जाएगा पुरस्कार की शक्ल में। इसके अलावा वे विज्ञापनों से भी खूब कमा सकेंगे। उनके लिए अब भारत भी सब कुछ देने को तैयार है।

हालांकि किसी भी नौजवान को अपने करियर के शुरू में यह नहीं सोचना चाहिए कि उसे फलां–फलां पदक जीतने पर कितना धन मिलेगा। खिलाड़ी को लक्ष्य तो सिर्फ शिखर पर जाने का होना चाहिए।

देखिए, मुझे कहने दें कि हमारे यहां सुविधाओं का बहुत रोना रोया जाता है। कहने वाले तो यह कहते हैं कि सुविधाओं के अभाव में प्रतिभाएं दम तोड़ देती हैं। अगर उन्हें सुविधाएं मिलती तो वह कुछ और जौहर दिखाते। इस बार के ओलंपिक खेलों में अफ्रीकी देशों जैसे केन्या, इथोपिया और युगांडा के भी बहुत से धावकों ने अपने देशों को कई–कई गोल्ड मेडल जितवाए हैं। क्या इन अफ्रीकी देशों में खिलाड़ियों को भारत से अधिक सुविधाएं मिलती है? कतई नहीं। हमारे देश के कम से कम 100 शहरों मे खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर कायदे का विकसित हो चुका है। खेलों में या जीवन के किसी भी अन्य क्षेत्र में कामयाबी तो तब ही मिलती है, जब आप में सफल होने का जुनून पैदा हो जाता है। एक बार महान धावक श्रीराम सिंह बता रहे थे कि हमारे अधितकर खिलाड़ी नौकरी मिलने के बाद सोचते हैं कि उन्हें जीवन में सब कुछ मिल गया। वे फिर शांत हो जाते हैं। श्रेष्ठ खिलाड़ी वही होता है जो बार–बार सफल होता है। सारी दुनिया जमैका के धावक और आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बोल्ट को इसलिए मानती है, क्योंकि वे बार–बार ओलंपिक खेलों में सफल होते थे। वे 100 मीटर और 200 मीटर और अपनी टीम के साथियों के साथ 4×100 मीटर रिले दौड़ के विश्व रिकार्डधारी हैं। इन सभी तीन दौड़ों का ओलंपिक रिकॉर्ड भी बोल्ट के नाम है। 1984 में कार्ल लुईस के बाद 2008 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक में बोल्ट एक ओलंपिक में तीनों दौड़ जीतने वाले और एक ओलंपिक में ही तीनों दौड़ों में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले पहले व्यक्ति बने। इसके साथ ही 2008 में वे 100 और 200 मीटर स्पर्धा में ओलंपिक खिताब पाने वाले भी पहले व्यक्ति बने।

नीरज चोपड़ा का आदर्श बोल्ट होने चाहिए। उनका अगला लक्ष्य 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में गोल्ड मेडल जीतना होना चाहिए।

और अंत में एक बात और ! यह पहली बाद ऐसा हुआ है कि देश ने ओलंपिक में सर्वाधिक पदक जीते ढ्ढ इसमें एक ब?ा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी और उनके दो मंत्रियों पूर्व खेल मंत्री किरण रिजीजू और वर्तमान खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को भी दिया जाना चाहिये जिन्होंने समय निकालकर खिलाडियों का भरपूर प्रोत्साहन किया और उनका मनोबल ब?ाया ।

आर.के. सिन्हा

आप का राशिफल 10 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
खान–पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह–सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक–3–6–9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद–प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान–विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक–3–5–7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क–कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक–4–6–7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा–गोष्ठियों में मान–सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक–2–5–6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख–सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक–2–5–7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
सुख–आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग–दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम–भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक–3–6–7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक–5–7–9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक–3–6–7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः–शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक–3–5–6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक–1–4–5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन–देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक–2–5–7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
यार–दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश–प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक–2–4–6

फिल्म वर्ग पहेली- 5522

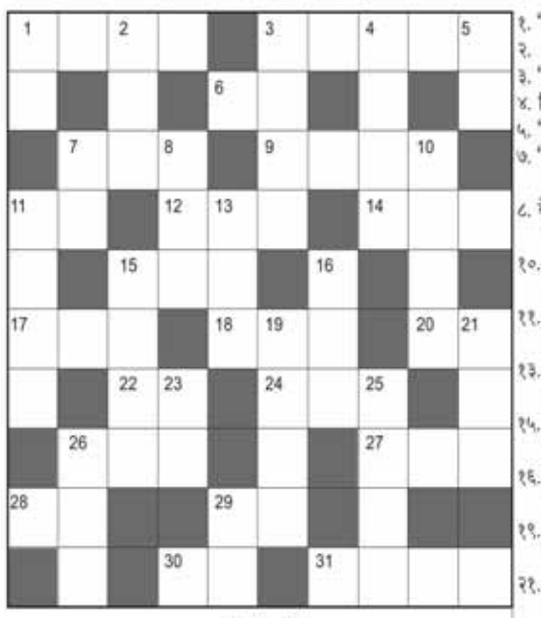

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रवीना, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरुख, माधुरी की 'अठरा बरस की कुँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरुख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरुण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फराह की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरुणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदु की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्वाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पिया बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5521

Jagrutidaur.com, Bangalore

डायबीटीज की दवा से ठीक रहेगी किडनी और दिल

डायबीटीज से किडनी और दिल की बीमारियों का खतरा कई गुन बढ़ जाता है। ऐसे में दवाएं भी ज्यादा खाना मरीज के लिए परेशानी का कारण बन जाता है। वहीं अब डायबीटीज की एक ऐसी दवा सामने आयी है जो शुगर नियंत्रित करने के साथ ही किडनी और दिल को भी सुरक्षित रखेगी।

डॉक्टरों के अनुसार डायबीटीज से पीड़ित मरीजों में इस दवा की सहायता से किडनी को 30 प्रतिशत तक सुरक्षित रखा जा सकता है। कैनाग्लिफ्लोजिन नाम की यह दवा जो सोडियम ग्लूकोज ट्रांसपोर्टर की तरह काम करती है न सिर्फ ब्लड शुगर को नियंत्रित कर किडनी डैमेज से बचाती है बल्कि दिल से जुड़ी बीमारियों जैसे हार्ट फेल से बचाने में भी मदद करती है अनुसंधानकर्ताओं ने कैनाग्लिफ्लोजिन नाम की दवा पर पर अध्ययन के बाद कहा कि डायबीटीज के मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस नई ट्रीटमेंट के बारे में जानकारी हासिल करना जरूरी है। पिछले करीब 2 दशक से दुनियाभर में लोगों में किडनी फेल होने का अहम कारण डायबीटीज ही रहा है लेकिन किडनी के फंक्शन को बचाने के लिए किसी तरह का नया इलाज विकसित नहीं किया गया। डायबीटीद से पीड़ित लोगों में किडनी फेलियरए हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा कई गुना अधिक रहता है। ऐसे में कैनाग्लिफ्लोजिन नाम की यह दवा महत्वपूर्ण खोज के रूप में साबित हो सकती है। सिर्फ इस एक दवा को हर दिन लेने से डायबीटीज के मरीजों में किडनी और हार्ट डिजीज के खतरे को कम किया जा सकता है।

दिल से जुड़ी बीमारियों का भी खतरा होता है कम

अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार इस अध्यान के परिणाम बताते हैं कि कैनाग्लिफ्लोजिन का सेवन करने वाले मरीजों में किडनी फेलियर और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा 30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। साथ ही इस दवा का कोई बहुत ज्यादा साइड.इफेक्ट या खतरा भी सामने नहीं आया है।

सूडोकु नवताल- 6041

★★★✩✩ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6040 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

विचार प्रवाह

मीडिया के लोग मुझसे पूछते हैं आपकी खुशनसीबी क्या है। मैं कहता हूं मैं इतना कड़ृवा बोलता हूं फिर भी लोग मुझे प्यार से सुनते और चुनते हैं, बस यही मेरी खुशनसीबी है। वरन सच्चाई तो यह है कि बेटा भी बाप की कड़वी बाम सुनना पसंद नहीं करता। मैं कड़वा बोलता हूं तो यह मेरा शौक नहीं है, वरन मेरी मजबूरी है। शुरू शुरू में मैं बहुत मीठा बोला, लेकिन उसका परिणाम यह हुआ किलोगों को लगता था जैसे मैं सुलाने के लिए लोरी गा रहा हूं। मैं सुलाने के लिए लोरी नहीं गाता वरन सोये समाज को जगाने के लिए ठंडे पानी के छीटें मारता हूं।

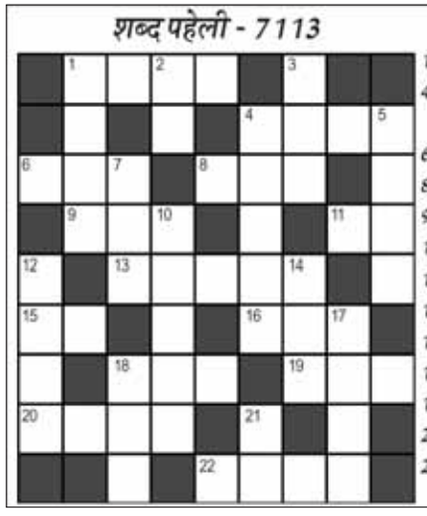

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7113

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान,नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट,मायानगरी -3,2
15. सूर्य,भास्कर-2
16. उपनदी,कैनाल-3
18. व्यंग,परिहास-3
19. कौर,ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल,असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरूर,नशा,गरूर-2
3. चिंतन,विचारना-3
4. परजन भावना,गैरपन-5
5. भिड़ना,मुठभेड़-4
7. रेखा,लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा,हद,बॉर्डर-4
14. शाखा,डाली-3
17. रिवाज,परंपरा-4
18. पाबंदी,रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -7112 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बढ़ा केरवा और कोलार डैम का जलस्तर, बड़ा तालाब एक फीट उछला

भोपाल। राजधानी भोपाल के साथ-साथ आसपास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के चलते शहर के जलस्त्रोतों में पानी का स्तर भी बढ़ना शुरू हो गया है। भोपाल शहर में मानसून के इस सीजन में अब तक 629.8 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। इसके चलते केरवा और कोलार डैम का का जलस्तर छह फीट बढ़ गया है। वहीं कलियासोत में एक फीट तक पानी बढ़ गया है। केरवा डैम के एसडीओ नितीन कुहीलकर ने बताया कि डैम में औसतन एक मीटर

पानी बढ़ रहा है। वहीं कलियासोत डैम में कम ही पानी आ रहा है। हालांकि बडा तालाब के जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी ही हो रही है। इसकी वजह यह है कि बड़ा तालाब की लाइफ लाइन कही जाने वाली कोलांस और उलझावन नदी के कैचमेंट क्षेत्र में अभी कम बारिश हो रही है। इसके चलते बड़े तालाब का जलस्तर कुछ कम बढ़ा है। बारिश के चलते अब तक महज एक फीट ही बढ़ा है। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री एआर पवार ने बताया कि रविवार सुबह तक बड़े तालाब का जलस्तर 1660.40 फीट पर था, जो कि देर शाम तक 1661 फीट पर पहुंच गया। वहीं बड़े तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है। अगर भोपाल शहर के साथ-साथ सीहोर जिले में झमाझम बारिश का सिलसिला बनता है तो जल्द ही भोपाल का बड़ा तालाब भी फुल हो जाएगा।

जलसोत्र फुल टैंक लेवल वर्तमान स्थिति
कलियासोत--505.67--501.80 मीटर
केरवा--509.93--506.73 मीटर
कोलार--462.20--453.60 मीटर
बड़ा तालाब--1666.80--1661 फीट
31 जुलाई को यह थी स्थिति
जलस्रोत--फुल टैंक लेवल-- स्थिति
कलियासोत--505.67--501.45 मीटर
केरवा--509.93--505.03 मीटर
कोलार--462.20--451.86 मीटर
बड़ा तालाब--1666.80--1660.50 फीट

कांग्रेसियों ने अन्न उत्सव के दौरान घटिया अनाज बांटने का आरोप लगाते हुए किया प्रदर्शन

भोपाल। विगत शनिवार को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए गए अन्न उत्सव के दौरान गरीबों को घटिया अनाज बांटने का आरोप लगाते हुए राजधानी भोपाल मे कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने विरोध प्रर्दशन किया। रविवार को प्रदेश कांग्रेस सचिव मनोज शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ता करोंद चौराहे पर एकत्रित हुए और काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया।कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने कहा कि अन्न उत्सव करने आयोजित करने के बाद भी भाजपा की सरकार गरीबों का मजाक उड़ाने से नहीं चूकी। गरीबों को अन्न के नाम पर मुर्गी दाना पकड़ा दिया गया। ऐसा अनाज दिया गया, जिसे खाने से इंसान कतरा जाए। उन्होंने कहा कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में तकरीबन 25 हज़ार परिवार ऐसे हैं, जिनके पास राशन कार्ड तो हैं, लेकिन उन्हें पात्रता पर्ची नहीं दी गई। ऐसे में इन गरीब परिवारों को उपभोक्ता भंडारों से राशन नहीं मिल रहा।उन्होंने कहा कि अन्न उत्सव के नाम पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री व क्षेत्रीय विधायक विश्वास कैलाश सारंग नौंटकी कर रहे हैं। इस अन्न उत्सव का आयोजन गरीबों की मदद करने के बजाए अपनी तस्वीर थैले पर छाप का घर घर तक पहुंचाना भर था। शुक्ला ने कहा कि गरीबों का मजाक उड़ाना केंद्र और राज्य सरकार दोनों को भारी पड़ेगा। विरोध प्रदर्शन में नेपाल ठाकुर, संजीव तिवारी, आनंद विश्वकर्मा, रंजना शर्मा, राहुल सेन, दीपक दीवान सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।गौरतलब है कि प्रदेश कांग्रेस सचिव मनोज शुक्ला केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ लगातार मुखर हैं। कुछ दिन पूर्व वे अन्?ना नगर चौराहे पर रसोई गैस के बढ़ते दामों के विरोध में चूल्हे पर रोटी पकाते हुए प्रदर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा हाल ही में वे चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग द्वारा पंडित नेहरू के बारे में दिए गए विवादित बयान के विरोध में उनके बंगले पर नेहरू की पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया की प्रति भेंट करने भी पहुंच गए थे।

सात दिन के भीतर सुधरेंगे शासकीय मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों के उपकरण

भोपाल । सरकारी मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में उपकरणों के खराब होने पर अब मरम्मत के लिए महीनों इंतजार नहीं करना होगा। अधिकतम एक हफ्ते में उपकरणों की मरम्मत हो जाएगी। छोटे उपकरण तो एक-दो दिन के भीतर ही दुरुस्त किए जा सकेंगे। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय जल्द ही सरकारी क्षेत्र की कंपनी एचएलएल इंफ्राटेक सर्विसेस लिमिटेड (हाइट्स) से अनुबंध करने जा रहा है। महीने भर में मरम्मत का काम शुरू कर दिया जाएगा। प्रदेश में 13 सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं, इनमें पहले चरण में छह पुराने मेडिकल कॉलेज, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर , जबलपुर, रीवा और सागर में उपकरणों की मरम्मत के लिए अनुबंध किया जा रहा है। इसके बाद बाकी कॉलेजों में उपकरणों की मरम्मत के लिए अनुबंध किया जाएगा। रीवा और सागर में 1000-1000 और बाकी चार में हर जगह 1500 से 1700 उपकरण हैं।

मरीजों को होती है परेशानी

-इन मेडिकल कॉलेजों में 100 से 150 वेंटिलेटर हैं, लेकिन रेफरल अस्पताल होने की वजह से मरीजों

की संख्या भी ज्यादा रहती है। उपकरण खराब होने की स?थिति में कई मरीजों को निजी अस्पतालों में ले जाना पड़ता है। भोपाल के हमीदिया अस्पताल के शिशु रोग विभाग में हमेशा इस तरह की दिक्कत आती है। पूरे अस्पताल में हर समय 10 से 15 फीसद वेंटिलेटर खराब रहते हैं।

--लेप्रोस्कोप, लेजर उपकरण, टांका लगाने वाले उपकरणों के खराब होने की वजह से सर्जरी टाल दी जाती है। जल्दी मरम्मत होने पर यह दिक्कत नहीं आएगी।

-मल्टीपैरामॉनीटर, सक्शन मशीन, एंडोस्कोपी मशीन, ऑडियोमेट्री, ईईजी और एनसीवी, पॉलीसोमनोग्राफी मशीन खराब होने की शिकायतें खूब मिलती हैं।

हर साल 25 करोड़ आएगा खर्च

छह पुराने मेडिकल कॉलेजों में करीब साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये के उपकरण हैं। हर उपकरण की कीमत का साढ़े सात फीसद हर साल मरम्मत पर खर्च आएगा। सभी जगह मिलाकर 25 करोड़ रुपये खर्च आएगा।

अभी यह व्यवस्था

जिन कंपनियों से उपकरण खरीदे जाते हैं, उन्हीं से हर साल मरम्मत के लिए अनुबंध किया जाता है। कई बार पुराने उपकरणों की मरम्मत के लिए कंपनियां अनुबंध को तैयार नहीं होती। कंपनियों के इंजीनियर दूसरे राज्यों से आते हैं। समयसीमा और जुर्माने का प्रविधान भी नहीं किया जाता। इस कारण उपकरण सुधरने में एक से दो महीने लग जाते हैं। सभी अस्पताल अपने स्तर पर अनुबंध करते हैं, जिससे ज्यादा खर्च आता है। कई बार उपकरणों के पार्ट्स भी नहीं मिलते, जिससे मरम्मत में देरी होती है। छोटा-सा केबल बदलने में भी 10 से 12 दिन लग जाते हैं।

अब यह होगा

हाइट्% के साथ अनुबंध होने पर हर मेडिकल कॉलेज में कंपनी की तरफ से चार-चार बायोमेडिकल इंजीनियर रहेंगे। वे सभी उपकरणों की निगरानी करेंगे। इसके अलावा एक टोल-फ्री नंबर होगा। इस पर अस्पताल प्रबंधन की तरफ से खराब उपकरणों की सूचना दी जाएगी। इक्युपमेंट मैनेजमेंट इंफॉरमेशन सिस्टम (इक्यूएमआइएस) बनाया जाएगा। इसमें सभी उपकरणों की कुंडली रहेगी। उपकरण कब, कितने में कहां से खरीदा गया

चिकित्सा उपकरणों की मरम्मत जल्दी और बेहतर हो सके, इसलिए ऐसी व्यवस्था की जा रही है। यह बहुत अच्छा प्रयास है।
-विश्वास सारंग, मंत्री, चिकित्सा शिक्षा

भोपाल के सरकारी अस्पताल में शुरू होगा कुत्ते-बिल्ली का स्पा?

भोपाल । इंसानों के स्पा सेंटर के बारे में आपने खूब सुना होगा, लेकिन अब भोपाल में कुत्ते और बिल्लियों के लिए भी स्पा सेंटर शुरू होने जा रहा है। भोपाल के जहांगीराबाद स्थित राज्य पशु चिकित्सालय में इस साल दिसंबर के पहले यह सुविधा शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए कक्ष भी तैयार कर लिया गया है, लेकिन कर्मचारियों की कमी की वजह से सेंटर शुरू नहीं हो पा रहा है। अब आउटसोर्स पर स्पा सेंटर समेत कई सुविधाएं यहां शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

राज्य पशु चिकित्सालय के उप संचालक डॉ. एचएल साहू ने बताया कि तीन साल पहले स्पा सेंटर शुरू करने का निर्णय लिया गया था। स्पा, फिजियोथेरेपी समेत कई सुविधाओं के लिए छोटी-छोटी यूनिट भी बनाई गई हैं, लेकिन कर्मचारियों की कमी के चलते यह सुविधाएं शुरू नहीं हो पा रही थी। अब सभी यूनिट को आउटसोर्स पर देने की तैयारी है। शासन स्तर पर यह निर्णय लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश का पहला अस्पताल है, जहां स्पा सेंटर शुरू किया जा रहा है। डॉ. साहू ने बताया कि कुछ प्रजाति के कुत्ते और बिल्लियों के बाल काफी बड़े होते हैं। इस कारण पसीने से गंध और छोटे-छोटे कीड़े हो जाते हैं। सरकारी अस्पतालों में कहीं भी इस तरह की सुविधा अभी नहीं है।

स्पा सेंटर में यह होंगी सुविधाएं

कुत्ते और बिल्लियों के बालों की कटिंग की जाएगी।
- बालों को संवारा जाएगा।
- बाल छोटे होने से बाल झड़ने और त्वचा सबंधी बीमारियां नहीं होंगी।
- सामान्य और स्टीम बाथ (नहलाना) की सुविधा रहेगी।
- नाखून कटिंग, आंख और कान की सफाई, दांतों की सफाई की जाएगी।
- मसाज और बालों में कंघी की जाएगी।

अन्य यूनिटों में यह होंगी सुविधाएं

फिजियोथेरेपी यूनिट सभी जानवरों के लिए होगी। यहां लेजर से सिकाई, गरम पानी से सिकाई, एक्वाथेरेपी यानी पानी से इलाज, लेजर यूनिट में लेजर तकनीक से इलाज किया जाएगा।

निजी स्पा सेंटरों में 1000 से 1500 रुपये का पैकेज

शहर में कई निजी स्पा सेंटर हैं। यह घर पहुंचकर भी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन नहलाने से लेकर हर तरह की सेवाओं का पैकेज है, जो एक हजार से डेढ़ हजार के बीच है। राज्य पशु चिकित्सालय में अभी दरें तय नहीं हुई हैं, पर यह निजी केंद्रों में लगने वाले शुल्क का 15 से 20 फीसद ही होगा।

मध्यप्रदेश के 12 जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी

भोपाल। मौसम विभाग ने प्रदेश के रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, होशंगाबाद, रतलाम, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, मुरैना, श्योपुरकलां में भारी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं रीवा, भोपाल, ग्वालियर एवं चंबल संभागों के जिलों में व छतरपुर एवं टीकमगढ़ जिले में गरज-चमक के साथ बौछारे पड़ने की संभावना जताई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अगले चौबीस घंटों में उज्जैन, सागर, इंदौर, होशंगाबाद एवं जबलपुर संभागों के जिलों में भी कहीं-कहीं बौछारे पड़ सकती है। इधर, राजधानी सहित प्रदेश के कुछ हिस?सों मे अब बारिश का सिलसिला धीरे-धीरे कम होते नजर आ रहा है। सोमवार को राजधानी में सुबह से हल्की धूप खिली रही और बादल भी छाए रहे। दोपहर तक इसी तरह का मौसम बना रहा।मौसम विज्ञानी पीके साहा ने बताया कि कम दबाव का क्षेत्र चक्रवात के रूप में बदल गया है।

डीआरएम ने उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले 233 रेलकर्मियों को किया सम्मानित

भोपाल । रेलवे में अच्छा काम करने वाले 233 रेलकर्मियों को हाल ही में भोपाल में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) द्वारा सम्मानित किया गया है। इनमें से 140 रेलकर्मियों को व्यक्तिगत और 93 रेलकर्मियों को सामूहिक पुरस्कार दिए हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा 66वें रेल सप्ताह पुरस्कार में हुई थी। सम?मानित होने वाले इन सभी रेलकर्मियों ने साल 2020-21 में अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए थे। डीआरएम उदय बोरवणकर ने उल?लेखनीय प्रदर्शन करने वाले सभी कर्मचारियों को शनिवार को पुरस्कार बांटे। इस मौके पर अपर मंडल रेल प्रबंधक गौरव सिंह, अशोक कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विजय प्रकाश, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त बी रामकृष्णा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी स्वाति अग्रवाल समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

इन कामों के लिए मिले पुरस्कार

- कोरोना संक्रमण में उत्कृष्ट सेवाएं देने, यात्रियों को सुविधाएं पहुंचाने के लिए। 2020-21 में ठंड व बारिश के समय में पटरी टूटने, ट्रैक की गिट्टियां बहने जैसी स्थिति में ट्रेनों को सुरक्षित चलाने व दुर्घटना से पूर्व ट्रेनों को रोकने के लिए। व्यापारी, किसान व उद्योगपतियों को मदद करने, रेलवे की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने और राजस्व वसूली में रिकार्ड बनाने के लिए। कोरोना संक्रमण काल में मास्क बनाकर जरूरतमंदों तक पहुंचाने, रेलकर्मियों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में मदद करने के लिए। मालगाड़ियों से गैस, अनाज, उपकरण, फल, सब्जी, दवाइयों व अन्य सामग्रियों का लदान कर कठिन समय में दूसरे शहरों में भेजने आदि कामों के लिए कर्मचारियों को पुरस्कार देते हुए सम?मानित किया गया है।

लक्ष्मण सिंह मरकाम ने कहा, विश्व आदिवासी दिवस ही क्यों, हमारे यहां त्योहार कम तो नहीं

भोपाल। जनजाति विचारक लक्ष्मण सिंह राज मरकाम ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस क्यों मनाना चाहिए, हमारे यहां त्योहार कम तो नहीं। उसके स्थान पर बिरसा मुंडा का जन्मदिन मनाओ। मरकाम रविवार को राजधानी में आयोजित वनवासी कल्याण परिषद मध्य भारत प्रांत (युवा कार्य आयाम) की संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। परिषद ने %विश्व मूल निवासी दिवस को लेकर सत्यता और भ्रांतियां% विषय पर जनजाति प्रबुद्ध युवा जन संवाद संगोष्ठी की थी। इस मौके पर डॉ. रामदीन त्यागी की पुस्तक मूल निवासी सत्यता एवं भ्रांति का विमोचन किया गया। मरकाम ने कहा कि कुछ संगठन जनजाति समाज की धार्मिक, सांस्कृतिक मान्यताएं समाप्त करने की साजिश कर रहे हैं। यदि वे बुलाते हैं, तो उनके मंच पर जाएं पर भगवा ध्वज लेकर और अपनी बात पूरी दृढ़ता से रखें। विश्व मूलनिवासी दिवस की सत्यता व भ्रांतियों पर खुलकर समाज के युवाओं से संवाद करते हुए मरकाम ने कहा कि समाज को संगठित करना होगा। भटके हुओं को खुद जोड़ना पड़ेगा। हम जोड़ने वाले हैं। तोड़ने वाला ज्यादा देर तक नहीं टिकता है। धैर्य रखकर काम करना होगा। कानून बनाने से तात्कालिक ही फायदा होगा। उन्होंने युवाओं को सीख दी कि वे अध्ययनशील, विचार परिपक्व बनें। कुर्सी का विचार छोड़ें। हमें समाज और संस्कृति को बचाना है। समाज बचेगा, तभी तो हमारा अस्तित्व बचेगा। परिषद के शोभांग मुजाल्दा ने युवाओं का आव्हान किया कि वे इंटरनेट मीडिया के जरिये इन विचारों को समाज तक पहुंचाएं। वहीं योगीराज परते ने कहा कि शहरों में विश्व मूलनिवासी दिवस का असर नहीं दिखाई देता, पर जनजातीय क्षेत्रों में असर दिखता है। दरअसल, समाज में इसे लेकर स्पष्टता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र संघ की विश्व मूलनिवासी दिवस की घोषणा भारत की दृष्टि से ठीक नहीं है। यह वृहद हिंदू समाज को तोड़ने का षड्यंत्र है। यहां सभी मूल निवासी हैं और सत्यता का बोध कराने के लिए दीपक जलाएं। उन्होंने कहा कि ये जंगलों में दबी प्रचुर खनिज संपदा को हथियाने के लिए हमें भ्रमित करने का षड्यंत्र है।

महंगाई, बेरोजगारी को लेकर विधानसभा का घेराव करेगी कांग्रेस

भोपाल । भाजपा सरकार की संविधान, अनुसूचित जाति, किसान, महंगाई और बेरोजगार विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस का अनुसूचित जाति विभाग ने विधानसभा में गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग विभाग का राज्यस्तरीय कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में होगा। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ, महाराष्ट्र के मंत्री और पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.नितिन राउत हिस्सा लेंगे। प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदेश में अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के व्यक्तियों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सरकार के स्तर पर कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। महंगाई और बेरोजगारी से सभी परेशान हैं। इसके मद्देनजर सोमवार नौ अगस्त विश्व आदिवासी एवं भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर प्रदेशस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा हैं।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में रविवार को हुई यह चर्चा

विधानसभा का मानसून सत्र सरकार ने जानबूझकर चार दिन का बुलाया है। मुद्दे बहुत हैं और हमें सबको उठाना है। बाढ़, महंगाई, कोरोना के दौरान कुप्रबंधन, जहरीली शराब से मौत, अनुसूचित जाति वर्ग पर अत्याचार जैसे कई मुद्दे हैं, जिन पर सरकार को घेरकर उनसे जवाब मांगा जाएगा। मैंने ग्वालियर-चंबल संभाग के बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करके जो स्थिति देखी है, वो भयावह है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद भी सरकार ने कोई इंतजाम नहीं किए। जहरीली शराब से लगातार मौत के मामले सामने आ रहे हैं। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने रविवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ राहत कार्य के बढ़-चढ़कर आंकड़े बताने में लगी है। तबादला हो या अन्य कार्य, जमकर वसूली हो रही है।

भाजपा सरकार आदिवासी विरोधी है इसलिए हमारी सरकार ने नौ अगस्त का जो सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था उसे निरस्त कर दिया। प्रदेश में माफिया के हौसले बुलंद हैं। लगातार जहरीली शराब से लोगों की मौत हो रही है पर कार्रवाई के नाम पर दिखावा हो रहा है। देवास के नेमावर में पांच लोगों को मारकर जमीन में गाड़ दिया। महिलाओं के साथ ज्यादती की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। कोरोना से वास्तव में कितनी मृत्यु हुई, इसकी जानकारी आज तक सार्वजनिक नहीं की है। सरकार ने जनहित के मुद्दों से चर्चा से बचना चाहती है। हम सदन से सड़क तक पूरी ताकत से जनता की लड़ाई लड़ेंगे। इस दौरान कमलेश्वर पटेल ने कहा कि सरकार की कमजोर पैरवी के कारण पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं मिला। इस पर स्थगन के माध्यम से चर्चा कराई जाए।

वहीं, हीरालाल अलावा ने विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश को निरस्त करने व 89 विकासखंड को दी जानी वाली राशि रोकने तो श्योपुर से विधायक बाबू जंडेल ने बाढ़ के मुद्दे पर चर्चा कराने की बात रखी। पूर्व मंत्री डॉ.विजयलक्ष्मी साधौ और पीसी शर्मा ने कहा कि सरकार सदन में चर्चा से भागने की कोशिश करेगी पर हमें मुद्दों को स्थगन, ध्यानाकर्षण सहित अन्य माध्यमों से उठाकर चर्चा करानी है। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश के सहप्रभारी सुधांशु त्रिपाठी, विधायक दल के मुख्य सचेतक डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यध एनपी प्रजापति, सज्जन सिंह वर्मा सहित प्रदेश पदाधिकारी मौजूद थे।

सिंधिया को पहले ही चेता दिया था हार रहे हो

बैठक में कमल नाथ ने कहा कि मैं खंडवा संसदीय क्षेत्र सहित पृथ्वीपुर, जोबट और रैगांव विधानसभा के उपचुनाव के लिए सर्वे करा रहा हूं। मैंने 2023 की तैयारी शुरू कर दी है। सर्वे करा रहा हूं। मैंने लोकसभा चुनाव के समय सर्वे के आधार पर ज्योतिरादित्य सिंधिया को चार दिन पहले चेता दिया

अखिल कतिया समाज महासंघ को भारतीय तथा राष्ट्रीय अवार्ड

जबलपुर । अखिल कतिया समाज महासंघ को भारतीय तथा राष्ट्रीय का अवार्ड दिया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के समक्ष मांग रखी गई थी कि अखिल कतिया समाज महासंघ भारत के कतिया जाति समुदाय का राष्ट्रीय स्तर पर समाज का प्रतिनिधित्व करता है। जिसकी पहचान राष्ट्रीयता से होना चाहिए और उसमें भारतीय शब्द जोड़ा जाना चाहिए जो कतिया समाज के राष्ट्रीयता एकता संगठन का प्रतीक है। जिसकी घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा 1 मार्च 2020 को बालाघाट महाअधिवेशन में सदन में घोषणा कर, पारित कराया गया था। समाज को राष्ट्रीय स्तर में पहचान के लिये संगठन भारतीय संविधान और भारतीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत सभी अनिवार्य आहर्ताए की पात्रता रखता है और भारतीय गणराज्य के 9 राज्यों का समावेश है इसलिए अखिल कतिया समाज महासंघ को राष्ट्रीय स्तर की मान्यता का अधिकार मिलना चाहिए। कतिया समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.एस. महले ने एक पत्रवार्ता में बताया कि भारत सरकार द्वारा अखिल कतिया समाज महासंघ को भारतीय तथा राष्ट्रीयज्ञ का अवार्ड के लिए मंत्रिमंडल में प्रस्ताव पारित कर संबंधित मंत्रालय को भेजा गया। मंत्रालय द्वारा (अनुचित उपयोग की रोकथाम) भारतीय अधिनियम 1950, प्रतीक और नामों के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत विभाग द्वारा एनओसी जारी कर च्अखिल कतिया समाज महासंघ को भारतीय तथा राष्ट्रीयज्ञ का अवार्ड दिया गया है। पदाधिकारीगण राजकुमार महले राष्ट्रीय अध्यक्ष, बलराम बेलवंशी, राष्ट्रीय महासचिव सोनभद्र, राकेश नाग उपकोषाध्यक्ष जबलपुर, पी.एल.भोर राष्ट्रीय प्रवक्ता, वीरेंद्र गौतम राष्ट्रीय कार्यालय सचिव, श्रीमती देवी नाग राष्ट्रीय सचिव, के.आर ब्रम्हे राष्ट्रीय प्रतिनिधि, प्रतीक पठारिया राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, कमेश सूर्यवंशी, कुंजबिहारी सोनगोतिय युवा बिग्रेड, दीपचंद भनारे, श्रीमती प्रभा सगौतिय, लेखराम भोर, लालसिंह चंचल, संतोष नागवंशी नैनपुर प्रेस वार्ता में मौजूद रहे।

संपूर्ण ब्राह्मण मंच के पदाधिकारियों सम्मान

जबलपुर। संपूर्ण ब्राह्मण मंच के पदाधिकारियों का संपूर्ण ब्राह्मण मंच कमला नेहरू नगर गढ़ा रोड व्यापारी संघ द्वारा संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। महामंत्री यदुवंश मिश्रा को सम्मानित करते हुए उपस्थित जनों ने कहा समाज राष्ट्र एक दूसरे के पूरक हैं। इस अवसर पर पंडित अमित खम्पारिय पंडित धनंजय बाजपेई डॉक्टर अरुण मिश्रा काशी प्रसाद तिवारी अनिल दुबे चंद्रशेखर शर्मा विजय गुप्ता पप्पू पटेल सुधाकर मिश्रा सत्यदेव तिवारी आदि उपस्थित रहे।

वैक्सीन शिविर का आयोजन

जबलपुर। शासकीय प्राथमिक शाला नया वार्ड 74 मैं वैक्सीन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र की माताएं बहने भाई ने वैक्सीन लगवाई जिसमें क्षेत्र के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भारत सिंह यादव सुरेंद्र गिरी गोस्वामी राम सुहागन गुप्ता दीपक शर्मा टिम्मी सत्यम पवार प्रदीप चौधरी शुभम रैकवार मुकेश पटेल एनएम श्रीमती विजय लक्ष्मी राय श्रीमती कल्पना दुबे श्रीमती अभिलाषा कश्यप उपस्थित रहे।

हरियाली अमावस्या पर वृक्षारोपण

जबलपुर। गोल्डन होम राजोल सिटी कॉलोनी अमखेरा मैं हरियाली अमावस्या पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें विशेष रूप से उपस्थित पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भारत सिंह यादव प्रशांत यादव नरेश चौरसिया जी राजेश यादव जीपी चौरसिया मोहम्मद खान महेश चौरसिया सुधीर श्रीवास्तव सौरभ पाठक नवीन कंपरिया जवाहर पटेल राजेश सिंह समस्त कॉलोनी वासी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे

अव्यवस्था यहां बिना नम्बर की गाड़ियों से रेत ढुलाई

सोहागपुर। थानांतर्गत बेखौफ दौड़ाई जा रहे बिना नंबर रेत लोड वाहन न अवैध खनन और परिवहन की इलाके मे सुगबुगाहट गांधी के फेरे मे रातो दिन ग्रामीण अंचल की तोड़ रहे सड़क पहुंचाई जा रही क्षति। शहडोल मानपुर रोड मे रेत लदे डंपर पर नाबालिग भी भर रहे फर्राटा। न खनिज विभाग न पुलिस विभाग, नाही यातयात कार्रवाई करती वजह तलाशते है शहडोल। प्रशासन की अलग-अलग एजेंसियों की चाक-चौबंद व्यवस्था के दावे के बीच शहर में रातो दिन बिना नम्बर के डम्पर/हाइवा अवैध रेत का परिवहन कर रहे हैं। अवैध रेत की मंडी उसी जगह बनी है, जहां पुलिस का चैकिंग प्वाइंट है। बाईपास से बिना नम्बर के वाहन प्रतिदिन रेत की खेप लगा रहे हैं। रेत माफियाओं के अवैध परिवहन का ये खेल खुलेआम चल रहा है। लेकिन, राजनीतिक प्रभाव और दबंगई के चलते बिना नम्बरों के वाहनों पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। इस अनदेखी से रेत का अवैध खनन और परिवहन का कारोबार बढ़ता जा रहा है। सोन और उसकी सहायक नदियों के किनारे रसूखदार कई घाटों पर रेत की अवैध खदान चला रहे है। इसमें ज्यादातर अवैध खदानों से निकाली जाने वाली रेत का परिवहन शहडोल मानपुर बाईपास से होकर हो रहा है। ये खदानें बाईपास से अपेक्षाकृत नजदीक हैं। इसके चलते अवैध रेत की निकासी और परिवहन से सरकारी रॉयल्टी चोरी कर रहे है। रेत कारोबारी महज रंगदारी चुकाकर इस अवैध खेल में मोटी कमाई कर रहे हैं। जानकारों के मुताबिक रेत माफिया और अधिकारियों की मिलीभगत से सड़कों पर बिना नम्बर के डम्पर, हाइवा दौड़ रहे हैं। सोची-समझी रणनीति के तहत कई नए वाहनों से इंजन और चेचिस नम्बर भी मिटा दिया जाता है। जांच होने पर ड्राइवर डम्पर-हाइवा को मौके पर ही छोड़कर भाग जाते हैं। रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं होने और बॉडी का नम्बर भी मिटा म्दिए जाने के कारण वाहन की पहचान नहीं हो पाती है। ऐसे में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करके इस अवैध खेल पर लीपापोती हो जाती है। मानपुर से शहडोल में रेत लादकर बिना नम्बर के डम्पर, हाइवा खड़े रहते हैं, जिनसे पूछताछ नहीं होती। डम्पर, हाइवा में लाइट, रेडियम से लेकर अन्य सभी मानक की पूर्ति है। सिर्फ नम्बर गायब हैं। बाईपास से गुजरने वाले तकरीबन हर दूसरा डग्गी, डम्पर, हाइवा बिना रजिस्ट्रेशन नम्बर का है। डग्गी, डम्पर, हाइवा के शहर में प्रवेश करते ही पुलिस की प्वाइंट है। जहां से धड़ल्ले ये गुजर रहे हैं। बिना नम्बर के वाहन की जांच का मामला आरटीओ का होने की बात कहकर खनिज विभाग भी जांच नहीं करता है। जबकि कागजी दौरा पंजी मे आरटीओ और यातायात पुलिस लगातार जांच कर रही है, फिर भी बिना नम्बर के वाहन सड़क से नहीं हट पा रहे है। बल्कि बल्करो और तीन राज्य को भेदती परिवहन सेवाओ पर पुख्ता इंतजाम के लिए काली डायरी मेंटेन होती है। बाकायदा साहब की 65 नंबर अनूपपुर से लेकर रामनगर थाना तक दस्तक देती हुई बाकायदा दिखाई रही है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना उत्सव मनाया

गोटेगांव। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का उत्सव मनाया (गोटेगांव शहर की सभी 5 सहकारी राशन दुकानों में मनाया) प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना उत्सव आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जन जन के नेता गरीबों के हितेषी श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व बा मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी की अध्यक्षता में पूरे मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्य योजना का उत्सव कार्यक्रम मनाया गया जिसमें गरीबों को मुफ्त अनाज का वितरण यह गया इसी क्रम में कोई परिवार रह ना जाए इसलिए मुफ्त अन्न वितरण कार्यक्रमदीपावली तक चलने वाला है क्योंकि कोई भी गरीब भूखा ना सोए इसी के तहत सर्वप्रथम उपस्थित सभी अतिथियों एवं हितग्राहियों ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का उद्बोधन टीवी पर सुना तत्पश्चात अन्य वितरण का कार्यक्रम किया गया इसी के तहत गोटेगांव में बृहताकार सोसाइटी गोटेगांव में मुख्य अतिथि श्री मोहन पटेल वरिष्ठ भाजपा नेता कार्यक्रम प्रभारी नगर मंडल महामंत्री जितेंद्र चांदोलिया. देवी अहिल्याबाई सहकारी मर्यादा समिति बोस वार्ड सरकारी मर्यादा समिति मैं मुख्य अतिथि पंडित जितेंद्र चौबे कार्यक्रम प्रभारी भाजपा संगठन पूर्व पार्षद गीता सारण विश्वकर्माजी. सहप्रभारी पंडित सूर्यकांत उपाध्याय. मार्केटिंग सोसायटी गोटेगांव मैं मुख्य अतिथि श्री पंकज चौक से. कार्यक्रम प्रभारी श्री शक्ति राजपूत जी. महिला उपभोक्ता भंडार गुरूनानक वार्ड मैं मुख्य अतिथि श्री हाकम सिंह चढ़ार पूर्व विधायक .कार्यक्रम प्रभारी विकास जैन बड़कुल. श्रीधाम महिला उपभोक्ता भंडार श्री देव मुरलीधर वार्ड मैं मुख्य अतिथि मुकेश जी चौक से. कार्यक्रम प्रभारी सतीश जी अग्रवाल. की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ इसमें नगर मंडल अध्यक्ष श्री देवेंद्र मोहन सिंह पटेल . पार्षद गीता सारण विश्वकर्मा सभी समितियों में नियुक्त नोडल अधिकारी नगर पालिका एवं प्रशासन के कर्मचारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

राम भक्त ही हुई भव्य आरती

गोटेगांव। बजरंग सेना नर्मदाखण्ड महाआरती समिति गोटेगांव के तत्वाधान में प्रत्येक शनिवार को सायंकाल 7:30 बजे स्थानीय संकट मोचन मंदिर (बकतला) हनुमानताल में भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान जी की संगीतमय महाआरती का आयोजन दीपक तिवारी जी के आचार्यत्व में विगत 2 वर्षों से अनवरत रूप से जारी है इस क्रम में भरत अग्रवाल के नातीअभिनंदन अग्रवाल नेता एवं निहाल की ओर से हनुमानलला की संगीतमय महाआरती एवं पूजन अर्चन पूर्ण वैदिक विधि मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया गया इसी अवसर उपस्थित श्रद्धालु जनों द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का गायन किया गया संगीतमय महाआरती पूजन अर्चन हनुमान चालीसा पाठ के पश्चात स्थानीय कलाकारों द्वारा भजनों की अनुपम प्रस्तुति की गई विदित हो गए की बजरंग सेना नर्मदाखण्ड महाआरती समिति द्वारा नगर में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम विगत 2 वर्षों से आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें क्षेत्रवासियों का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हो रहा है कार्यक्रम समापन पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से संदीप तिवारी कमल स्वामी कमलेश सोनी विद्याचरण पाराशर बद्रीप्रसाद चौकसे रघुनाथ राय दीपक सराठे नीरज नेमा मयंक शर्मा नंदु गुप्ता सतीश दुबे आशीष पटेल अनिल राय विनोद गुप्ता राकेश केशरवानी अप्पू सोनी कृष्णकुमार राजपूत सतीश गुप्ता देवेंद्र व्यास हेमंत सेन श्रीकृष्ण सेन अनिरुद्ध मेहरा ओमप्रकाश साहू ओर बटुक सेना से अक्षत सराठे ध्रुव जी उपस्थित रहे एवं समस्त देशवासियों के लिए हनुमान जी के श्री चरणों में सभी के स्वस्थ रखने हेतु सुख समृद्धि की कामना की 3 अगस्त से सावन माह में महिला मंडल द्वारा अखंड रामायण जी पाठ चल रहा है जिसका वाचन नर्मदाप्रसाद गुप्ता रामनेही चौबे राकेश गुप्ता के द्वारा चल रहा है।

सम्मान समारोह आयोजित

गोटेगांव। विगत दिवस इंदौर भोपाल बाईपास रोड पर स्थित क्रीसेंट रिसोर्ट एंड वाटर पार्क क्लब में राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ की महिला इकाई के पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही कलचुरी एकता के लिए उल्लेखनीय काम करने वालों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर परम पूज्य श्री श्री श्री 1008 संतोष आनंद जी महाराज हरिद्वार का भी सम्मान समाज के द्वारा किया गया साथ ही समाज के लिए सतत कार्य एवं जन सेवा के कार्य करने के लिए करने के लिए के लिए संगठन की राष्ट्रीय संयोजिका मध्य प्रदेश कांग्रेश महिला इकाई की अध्यक्ष समाज सेविका श्रीमती अर्चना जायसवाल इंदौर समाज के प्रदेश अध्यक्ष राकेश राय जी सीहोर शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले जय नारायण जी चौकसे राष्ट्रीय संगठन मंत्री समाजसेवी नगर के गौरव लाडले सपूत पंकज चौकसे गोटेगांव , कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष किशोर राय नरसिंहपुर को कलचुरी रत्न से सम्मानित करते हुए साल पुष्प हार एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए साथ ही विशेष योगदान के लिए पत्रकार राजेश राय उज्जैन सुशील शिवहरे छतरपुर श्रीमती रागिनी जयसवाल श्रीमती बंदना जयसवाल श्रीमती सुनीता शिवहरे श्रीमती डाली मालवीय भोपाल श्रीमती अनीता जायसवाल गाडरवारा श्रीमती कमलेश राय छतरपुर श्रीमती अरुणा गुप्ता ग्वालियर श्रीमती रीता चौक से बुरहानपुर के साथ ही समाज की अनेक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया इस अवसर पर कोलकाता कोलकाता पश्चिम बंगाल से प्रदेश व देश के अनेक स्थानों के सामाजिक बंधु उपस्थित हुए सभी ने राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ के बैनर तले विभिन्न वर्ग की सभी सामाजिक बंधुओं से एक होकर समाज को ऊपर लाने के लिए वह समाज के पीड़ित जनों की मदद के लिए संकल्प व्यक्त किया।

किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष पद के लिए चतुर्वेदी की दावेदारी

शहडोल भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यकारिणी के गठन के बाद अब मोर्चा के जिलाध्यक्ष का मनोनयन किया जाना है जिसके लिए मोर्चा के दावेदारों द्वारा लविंग शुरू कर दी गई भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के लिए भी संभावित दावेदार अपने स्तर पर जुगत भिड़ा रहे हैं सुरेश तुर्वेदी भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहते हुए मंडल कार्यवाह के दायित्व में रहे उसके बाद जयसिंह नगर मंडल के युवा मोर्चा के महामंत्री रहे उसके बाद युवा मोर्चा मंडल जैसीनगर के मंडल अध्यक्ष बने भाजपा मंडल जयसिंह नगर के उपाध्यक्ष के दायित्व में वर्तमान में शहडोल जिले के भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष के दायित्व में रहते हुए कई कार्यक्रम किए किए किसानों 2 के लिए किसान सम्मान यात्रा के दौरान आप जैसी नगर विधानसभा के प्रभारी रहे किसान मोर्चा की विधानसभा चुनावों में सक्रिय भूमिका आपकी रही आपका क्षेत्र में किसानों से विगत 4 वर्षों से किसान मोर्चा में आपने कई कार्यक्रम किए पूरे जिले में हर मंडलों में आप का भ्रमण कार्यक्रम हो चुका है आप की सक्रियता पार्टी में हमेशा बनी रहती है भाजपा किसान मोर्चा के युवा नेता है।

भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम ने बिजुरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन हेतु स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा पत्र

अनूपपुर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम ने भोपाल प्रवास के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभु राम चौधरी को अनूपपुर जिले के कोयलांचल क्षेत्र बिजुरी में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाए हेतु पत्र सौंपा है लंबे समय से क्षेत्र की जनता द्वारा बिजुरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन किए जाने की मांग की जा रही थी जिससे कि स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हो सके एक बड़े आबादी वाले क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होने के कारण स्वास्थ सुविधाओं के लिए स्थानीय जनता को बाहर का रास्ता देखना पड़ता है प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिजुरी के विस्तार होने से स्थानीय जनता को इसका बड़ा लाभ मिलेगा समस्या को देखते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम ने स्वास्थ्य मंत्री से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन करने की मांग हेतु पत्र सौंपा है।

आदिवासी दिवस पर आज विविध आयोजन

सिहोरा । विश्व आदिवासी दिवस एंव अग्रेंजों भारत छोडो दिवस पर ब्लाक काग्रेंस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण पाठक एंव युवक काग्रेंस विधानसभा अध्यक्ष राहुल पांडे के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन आज दोफहर 1 बजे वार्डँ नम्बर 9 इमलहापुरा के सामुदायिक भवन में किया गया है आयोजन में पहुचने की अपील प्रदेश काग्रेंस कमेटी के सचिव बाबा कुरैशी, राजेश चौबे,शंकर वंशकार, लीला बाई गोटिया, शम्भु गोटिया, रामलोचन गोटिया, ममता गोटिया, लालबहादुर पाठक,दुलारे गोटिया, मन्नू लाल गोटिया, जगदीश सैनी सहित अनेक कार्यकताओं ने की है ।

दर्शनी ,खुडावल में गायत्री परिवार ने किया पौधारोपण

सिहोरा। आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उदेश्य से गायत्री परिवार द्वारा रविवार को वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे सभी लोगो ने दर्शनी के राम मंदिर एंव खुडावल में जामुन, सीताफल, कटहल,आंवला, आम, अमरूद, अनार आदि के करीब 50 पौधो का रोपण उनका पूजन अर्चन करने के बाद किया तथा लोगो से अपील की गई कि वे भी शुभ अवसरो पर स्वयं पौधरोपण करे तथा इसके लिए दुसरो को भी जागरूक करे । इस अवसर पर राज कमल राय,घनश्याम बर्मन,एन के गर्ग ,विरेन्द्र पाटकर,विघा चौरसिया, संतोष चौरसिया, प्रमोद चौरसिया, जगदेव पटेल,के एल राय, परषोत्तम यादव,गजेन्द्र खम्परिया, अनूप पांडे सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे ।

मेसेज आने के बाद नही हो रही खरीदी

सिहोरा । भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष एडबोकेट रमेश पटेल ने अनेक किसानों के साथ मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौपा जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2021 में मूंग उडद की उपज को शासन द्वारा खरीदा जाना है लेकिन खरीदी प्रारम्भ होने के बाद पुनः बंद हो गई जिन कृषको की तौल हो गई उनकी पोर्टल में दर्ज नही हो पाई तथा जिनको विकृय हेतु मेसेज आये उनकी खरीदी नही हो पाई तथा शेष के अभी तक मेसेज नही आ रहे है । सभी किसान धान की फसल की तैयारी में लगने वाली लागत के कारण आर्थिक कठनाईयों से गुजर रहे ऐसी स्थति में कृषको की उडद मूंग की खरीदी शीघ्र प्रारम्भ की जाये ।

हितग्राहियों को राशन सामग्री मुफ्त में वितरित

शहडोल। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत नगर परिषद बकहो के गणेश मार्केट स्थित उचित मूल्य दुकान में आयोजित अन्न उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत कन्यापूजन के साथ करते हुए हितग्राहियों को राशन सामग्री वितरित की तथा इस अवसर पर यशस्वी प्रधानमंत्री समा नरेंद मोदी के संबोधन को जनता जनार्दन के साथ सुना। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता लल्ला केवट, मुख्य नगर पंचायत अधिकारी जयदेव दीपांकर, कुलभूषण शुक्ला हंसराज द्विवेदी प्रदीप शर्मा, लीड संस्था के प्रबंधक वीरेंद्र सिंह, लालजी सिंह, संतोष तिवारी तथा भारी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ तिवारी के कहानी संग्रह अपराध मेरा है विमोचन

सिहोरा। शासकीय श्याम सुन्दर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा के प्राध्यापक एवं हिन्दी-विभागाध्यक्ष डा. श्रीकृष्ण तिवारी के कहानी संग्रह अपराध मेरा है का विमोचन समारोह वरिष्ठ साहित्यकार अश्विनी कुमार पाठक की अध्यक्षता,और गणमान्य नागरिक नन्दकुमार परौहा, बाल साहित्यकार राजा चौरसिया एवं नवगीतकार विजय बागरी विजय के सारस्वत आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राकेश पाठक, महामंत्री पत्रकार प्रवीण कुररिया ,सुनील तिवारी अपर्णा पाठक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरम्भ अध्यक्ष एवं सारस्वत अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्ज्वलन से हुआ। ब्राह्मणपुरा में श्री पाठक के आवास पर आयोजित इस विमोचन समारोह में सारस्वत अतिथियों द्वारा डा, तिवारी के कहानी संग्रह अपराध मेरा है के नाम की सार्थकता, कहानियों की विषयवस्तु, उनमें निहित संवेदना,भाषा आदि विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला गया। लेखक ने कहानियों की रचना प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए कहा इस संग्रह की कहानियों में कल्पना एवं यथार्थ दोनों समाहित हैं। कल्पनाएँ सम्भाव्य हैं और यथार्थ देखे-सुने सत्य पर आधारित हैं। अतः इनमें चित्रित घटनाओं का आज भी घटना सम्भव है और कल भी। इसके पात्र एवं प्रसंग व्यक्ति विशेष नहीं प्ररूप हैं, अतः वे इस देश के सामाजिक-राजनीतिक परिवेश में दिखते हैं। इस संग्रह का नाकरण इसकी कहानी अपराध मेरा है पर आधारित है। इसकी सभी कहानियाँ सामाजिक जीवन से सम्बन्धित हैं। सामाजिक जीवन में जो कुछ अहितकर घटित होता है,वह किसी के अपराध से ही घटित होता है। समाज की समस्त समस्या का मूल मेरा अपराध ही है: वह चाहे करने के रूप में हो, चाहे सहने के रूप में हो, चाहे प्रेरित करने के रूप में हो और चाहे देखने के रूप में हो। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री पाठक ने कहा- अपराध मेरा है! कहानी संग्रह अधिकरण प्रकाशन, दिल्ली से प्रकाशित है। इस संग्रह में ग्यारह कहानियाँ जिसमें नैतिकता लिये घूमते रहो,प्रजातन्त्र हार गया, बँटवारा नहीं होगा,प्रवचन मत दो,तुम भैया की भी माँ हो, अपराध मेरा है,.विधायक जी नहीं आये,मुझे वह चाहिए,ट्रांसफार्मर लग गया, .प्यास बुझाना धर्म है,वह मर गया--हैं आदि शामिल है ये सभी कहानियाँ वर्तमान समाज एवं तन्त्र में व्याप्त विसंगतियों पर चोट करनेवाली और पाठक के मन को स्पन्दितकर विसंगतियों के निवारण हेतु प्रेरित करनेवाली हैं। समारोह का संचालन बाल साहित्यकार श्री चौरसिया ने उत्कृष्ट भाषा शैली के माध्यम से किया ।

ट्रक एसोसिएशन के अध्यक्ष के सहयोग से तैयार हो रहा ग्राउंड

शहडोल। स्कूल प्रारंभ होने के बाद खेल गतिविधियों के संचालन के लिए ग्राउंड तैयार किया जा रहा है, शासकीय रघुराज स्कूल क्रमांक एक द्वारा खेल मैदान का समतलीकरण कराया जा रहा है विद्यालय के प्राचार्य आभा शुक्ला के निर्देशन ट्रक एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद जकारिया के सहयोग से मैदान में जेसीबी ट्रैक्टर लगाकर मैदान को खेलने योग बनाया जा रहा है पीटीआई रईस अहमद द्वारा ग्राउंड में उगे हुए खरपतवार को साफ कराया जा रहा है उनकी निगरानी में मैदान को खेलने योग बनवाया जा रहा है साथ ही चारों ओर सौंदर्यीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं इस कार्य में संस्था के समस्त स्टाफ का सहयोग मिल रहा है गौरतलब हो कि लंबे समय से स्कूलों का संचालन बंद था जिसके कारण बरसात में मैदान का हालत खराब हो गया था गड्ढे बन गए थे एवं खरपतवार उग आए थे जिसकी सफाई कराकर मैदान को बराबर किया जा रहा है इसके बाद खेल गतिविधियों का संचालन प्रारंभ कराया जाएगा।

प्रमुख ऊर्जा सचिव के नियमों की उड़ धज्जियां

चचाई । भोपाल से प्रमुख ऊर्जा सचिव के यहां से जबलपुर शक्ति भवन रामपुर के प्रबंध निर्देशक को 9 जुलाई 2021 को आदेशित हुआ था की जिस व्यक्ति का स्थानांतरण दूसरे पावर स्टेशनों में हुआ है उन्हें तत्काल कार्यमुक्त कर के अपने उच्च अधिकारी को सूचित करें ।उसी आदेश को प्रभात जैन संयुक्त सचिव कार्यालय कार्यनिदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन मध्य प्रदेश पावर जेनरेटिंग के द्वारा चचाई अमरकंटक ताप विद्युत गृह के मुख्य अभियंता को आदेश क्रमांक 506 के तहत जिन व्यक्तियों को दूसरे पावर स्टेशन में स्थानांतरण किए गए थे उन्हें तुरंत कार्यमुक्त करें और यदि इस आदेश के अवहेलना की तो प्रबंधक के ऊपर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी,परंतु अमरकंटक ताप विद्युत गृह के चचाई में नियम के विपरीत ही कार्य किया जा रहा है,19 जुलाई 2021 को सहायक अभियंता अखिलेश सिंह को आदेश क्रमांक 501-0800/व.0./382/ चचाई दिनांक 19 जुलाई 2021 के इस आदेश के अनुसार कार्यमुक्त करके जबलपुर में उन्हें जाकर ज्वाइन करना था परंतु चचाई में आरके जैन अधीक्षण अभियंता संचालन ने षडयंत्र पूर्वक जिस व्यक्ति को कार्यमुक्त किया जा चुका था उसे पुनः अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में पदस्थ कर लिया गया।

शहडोल के एक, अनूपपुर के तीन टीआई हुए पदोन्नत

शहडोल। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य शासन द्वारा प्रदेश के 444 निरीक्षकों का पदोन्नत किया गया हैद्य जिसमें शहडोल जिले से जालम सिंह का पदोन्नत किया गया है वही अनूपपुर जिले से चचाई थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह राजपूत, अमरकंटक थाना प्रभारी मनोज दीक्षित एवं जैतहरी थाना प्रभारी केके त्रिपाठी की पदोन्नति की गई है।

ब्राह्मण समाज ने पौधरोपण कर मनाया हरियाली अमावस्या का उत्सव

गोटेगांव। रविवार को गोटेगांव विकासखंड के ग्राम सगरा में पं अजय तिवारी के निवास पर ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई जिसमें समाज के जिलाध्यक्ष पं नारायण दुबे, की गरिमामय उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई जिसमे पं रामकुमार दुबे (अकोला) ने बैठक की अध्यक्षता की। संगठन के जिलाकोषाध्य पं देवेंद्र पाठक ने युवाओ को स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया। जिला प्रवक्ता पं राकेश शर्मा ने ई डब्ल्यू एस प्रमाणपत्र में किसानों को 5 एक? जमीन की बाध्यता और प्रमाण पत्र की वैद्यता अवधि ब?ाने हेतु सरकार को ज्ञापन देने का प्रस्ताव रखा। जिसे सर्वसम्मति से प्रदेश स्तर पर एक साथ करने की रूपरेखा तैयार की गई। पं विनोद तिवारी को उनके उल्लेखनीय सामाजिक कार्यो के लिये सामाजिक सम्मान किया गया। बैठक में पं अनुराग मिश्रा, पं नवीन पांडे, पं दीपेश कटारे (युवा जिलाध्यक्ष) दुर्गा दुबे, आशु गिरधौनीया, दिनेश पाराशर, सुरेन्द्र पाठक ने अपने विचार रखे। आभार प्रकट रजनीश द्विवेदी ने किया। बैठक के अंत मे दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, और हरियाली अमावस्या का पर्व पौधरोपण कर मनाया गया। बैठक में पं महेंद्र पाराशर, गोविंद दुबे अनुज दीक्षित, विष्णु दुबे, मनीष पाठक ,नारायण पांडे, शेखर दुबे, सतेन्द्र शुक्ला, दिनेश महाराज, तुलसीराम पाठक, रामाश्रय उपमन्यु रीतेश तिवारी, संजय पाठक आदि सैक?ो विप्रबन्धुओ की उपस्थिति रही।

सूचना

यशभारत समाचार पत्र में प्रकाशित हाने वाले विविध विज्ञापनों के लेखों की जांच पड़ताल करने के बाद ही पाठक इस संबंध में आर्थिक व्यवहार करें, विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापनदाता जो दावे पेश करते हैं, उनकी जवाबदारी, यशभारत समाचार पत्र नहीं देता, विज्ञापन में किये गये दावों की पूर्ति अगर विज्ञापनदाताओं द्वारा नहीं की जाती है तो उसके परिणाम के लिए यशभारत समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं रहेगा।

पहला टेस्ट मैच बारिश की भेंट चढ़ने से भड़के कप्तान विराट कोहली

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत जिस अंदाज में हुई है, उसे कोई नहीं चाहेगा। दरअसल, टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज मैदान पर खेला गया, जो कि ड्रॉ रहा, क्योंकि बारिश ने पूरे मैच में आंख-मिचौली की और आखिर में मैच का नतीजा बेनतीजा रहा, जिससे भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली नाखुश हैं, क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम के पास इस मुकाबले को जीतने का बड़ा मौका था।विराट कोहली ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में कहा, ÷हम तीसरे और चौथे दिन बारिश की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन उसने पांचवें दिन आने का फैसला किया। खेलना और देखना सुखद होता, लेकिन यह शर्म की बात है। ठीक यही हम करना चाहते थे; मजबूत शुरुआत करें। पांचवे दिन हमें पता था कि हमारे पास मौके हैं। हमें निश्चित रूप से ऐसा लगा कि हम खेल में शीर्ष पर हैं। उस बढ़त को हासिल करना महत्वपूर्ण था, लेकिन यह शर्म की बात है कि हम पांचवां दिन पूरा नहीं कर सके। उन्होंने कहा, ÷पांचवें दिन से पहले पचास (208 का पीछा करते हुए) तक पहुंचना महत्वपूर्ण था। हम सिर्फ अस्तित्व के लिए नहीं खेलना चाहते थे। हमारी मंशा ने हमें आगे रखा। हमारे गेंदबाजों के लिए बल्ले से तीन सप्ताह का कठिन काम है। हम पहली पारी में 40 रन की बढ़त की बात कर रहे थे, लेकिन हम 95 के साथ समाप्त हुए और वे रन हमारे लिए महत्वपूर्ण थे। सबसे अधिक संभावना है कि यह इस सीरीज में हमारे लिए खास होगा, लेकिन अनुकूलन क्षमता हमारी ताकत रही है। विकेट पर परिस्थितियों और गति को देखने की जरूरत है, लेकिन यह टीम हमारा खाका होगी। इंग्लैंड और भारत हमेशा से ही ब्लॉकबस्टर रहे हैं और अगले टेस्ट की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दरअसल, इंग्लैंड ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रन बनाए थे। इसके जवाब में भारत ने 278 रन बनाए थे और 95 रन की बढ़त हासिल की थी। वहीं, दूसरी पारी में इंग्लैंड ने जो रूट के शतक के दम पर 303 रन का स्कोर बनाया, लेकिन भारत को सिर्फ 208 रन जीत के लिए बनाने थे। 90 से ज्यादा ओवर का खेल पांचवें दिन खेला जाना था और इस तरह जीत के मामले में भारत का पलड़ा भारी था, क्योंकि चौथे दिन के खेल समाप्त होने तक भारत ने एक विकेट खोकर 52 रन बना लिए थे। रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा नाबाद थे।

भारत की जीत पर बारिश ने फेरा पानी, इंग्लैंड की बल्ले-बल्ले पहला मैच हुआ ड्रॉ

नई दिल्ली । ट्रेंट ब्रिज में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला गया। इस मैच में भारत को जीत के लिए दूसरी पारी में 209 रन का टारगेट मिला था। टीम इंडिया ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट के नुकसान पर 52 रन बना लिए थे और उसे मैच के पांचवें दिन जीत के लिए 157 रन बनाने थे। बारिश की वजह से पांचवें दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी और दिन का खेल रद कर दिया गया। दिन का खेल रद किए जाने की वजह से ये मैच ड्रॉ हो गया। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को उनकी शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस मैच में टीम इंडिया के पास जीत का शानदार मौका था और अगर खेल होता तो भारतीय टीम के जीतने की पूरी संभावना थी, लेकिन बारिश ने भारत की जीत पर पानी फेर दिया। हालांकि इंग्लैंड की टीम की पांचवें दिन खेल नहीं होने की वजह से बल्ले-बल्ले हो गई और वो अपनी पहली हार से बच गए। इस मुकाबले में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहली पारी में 183 रन बनाए थे तो वहीं भारत ने पहली पारी में 278 रन बनाकर 95 रन की लीड ले ली थी। दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम ने कप्तान जो रूट की शतकीय पारी के दम पर 303 रन बनाए और भारत पर 208 रन की लीड हासिल की और जीत के लिए 209 रन का टारगेट दिया।

भारत की दूसरी पारी, के एल राहुल आउट हुए

भारत की तरफ से मैच की दूसरी पारी में केएल राहुल पहली पारी की तरह अच्छा स्कोर नहीं बना पाए और 26 रन बनाकर ब्रॉड की गेंद पर जोस बटलर को अपना कैच थमा बैठे थे।

जो रूट का शतक, इंग्लैंड की दूसरी पार

मैच की दूसरी पारी में भारत को पहली सफलता बर्न्स को मो. सिराज ने आउट करवाकर दी। बर्न्स ने 18 रन बनाए और उनका कैच रिषभ पंत ने लपका। वहीं बुमराह ने क्राउले को 6 रन पर पंत के हाथों कैच करवाकर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। लंच के बाद डॉम सिब्ले को बुमराह ने 28 के स्कोर पर आउट किया। बेयरस्टो को सिराज ने 30 रन पर आउट किया। डेनियल लारेंस को शार्दुल ठाकुर ने 25 रन पर आउट किया। जोस बटलर का काम शार्दुल ठाकुर ने तमाम कर दिया और उन्होंने 17 रन बनाए। बटलर को शार्दुल ठाकुर ने क्लीन बोल्ड कर दिया।

154 गेंद पर 14 चौके की मदद से इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। जो रूट का ये 21वां टेस्ट शतक था तो वहीं भारत के खिलाफ छठा। रूट को 109 रन पर बुमराह ने आउट किया। सैम कुर्न को भी बुमराह ने 32 रन पर अपना शिकार बनाया। दूसरी पारी में भारत की तरफ से बुमराह ने पांच जबकि, सिराज व शार्दुल ने दो-दो और शमी ने एक विकेट लिया।

भारत की पहली पारी, शतक से चूक गए केएल राहुल

भारत को रोहित शर्मा और केएल राहुल ने अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 97 रन की अच्छी साझेदारी हुई। इस साझेदारी को रॉबिन्सन ने रोहित शर्मा को 36 रन पर आउट करके तोड़ दिया। पुजारा को एंडरसन 4 रन पर आउट किया तो वहीं कप्तान कोहली एंडरसन की गेंद पर गोल्डन डक का शिकार हुए। टीम के उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 5 रन पर अपना विकेट गंवा दिया और रन आउट हो गए। रिषभ पंत 25 के स्कोर पर ओली रॉबिन्सन और केएल राहुल को 84 रन पर जेम्स एंडरसन ने आउट किया। शार्दुल ठाकुर को एंडरसन ने बिना खाता खोले ही आउट कर दिया।

रवींद्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन 56 रन के स्कोर पर उन्हें ओली रॉबिन्सन ने बेयरस्टो के हाथों कैच आउट करवा दिया। मो. शमी को रॉबिन्सन ने 13 रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। बुमराह ने अच्छे हाथ दिखाए और 28 रन बनाए। उनकी पारी का अंत रॉबिन्सन ने किया तो वहीं मो. सिराज 7 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की तरफ से तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने पांच जबकि जेम्स एंडरसन ने चार विकेट लिए।

इंग्लैंड की पहली पारी, जो रूट का अर्धशतक

पहली पारी में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन लाजवाब रहा और उन्होंने इंग्लिश कंडीशन का बखूबी फायदा उठाया। भारतीय तेज गेंदबाजों ने ही सारे विकेट लिए जबकि टीम में मौजूद एकमात्र स्पिनर रवींद्र जडेजा को कोई विकेट नहीं मिला। भारत की तरफ से बुमराह सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने चार विकेट चटकाए जबकि शमी को तीन सफलता मिली।

वहीं सिराज को एक और शार्दुल ठाकुर को दो विकेट मिले। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान जो रूट ने सबसे ज्यादा 64 रन की पारी खेली जबकि बेयरस्टो ने 29, जैक क्राउले ने 27 और सैम कुर्न ने नाबाद 27 रन की पारी खेलकर टीम को 183 के स्कोर तक पहुंचाया। इंग्लैंड के ओपनर बल्लेबाज रोरी बर्न्स ने शून्य, सिब्ले ने 18 रन का योगदान दिया जबकि लारेंस और जोस बटलर भी बिना खाता खोले ही आउट हुए। रॉबिन्सन भी खाता नहीं खेल पाए तो वहीं ब्रॉड ने चार और एंडरसन ने एक रन बनाए।

भारत की प्लेइंग इलेवन-

रोहित शर्मा, केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली(कप्तान), अजिंक्य रहाणे, रिषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन-

रोरी बर्न्स, डोम सिब्ली, जैक क्राउले, जो रूट (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो, डैन लॉरेंस, जोस बटलर (विकेटकीपर), सैम कुर्न, ओली रॉबिन्सन, स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन।

दिव्या अग्रवाल पहले ही दिन हुईं नॉमिनेट प्रतीक सहजपाल से हुई जमकर लड़ाई

नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। होस्ट करण जौहर ने कंटेस्टेंट्स को स्टे कनेक्टेड थीम के तहत एक साथी चुनने का मौका दिया। शो में दिव्या अग्रवाल सेकेंड लास्ट कंटेस्टेंट थीं। दिव्या के बाद शो में आखिरी लड़की के रूप में रिद्धिमा पंडित आईं। और लड़कों में करण नाथ आखिरी बचे थे। करण नाथ से दिव्या और रिद्धिमा में से किसी एक को चुनना था।दोनों लड़कियों को करण को रिझाना था। ऐसा करने के बाद करण रिद्धिमा को चुना और इस तरह दिव्या अकेली रह गईं। करण जौहर ने कहा कि दिव्या को इस हफ्ते के लिए नॉमिनेट किया जाएगा। उन्होंने दिव्या से दर्शकों का दिल जीतने और खुद को एलिमिनेट होने से बचाने के लिए कहा।वहीं दूसरी ओर, बिग बॉस ने लड़कियों के पूरे कपड़े नहीं भेजे हैं और उनके संबंधित कनेक्शन को उन्हें कपड़े दिलाने में मदद करनी है। दिव्या और प्रतीक में बहस हो गई, जहां दिव्या ने कहा कि उन्हें इस शो की जरूरत नहीं है। दिव्या ने अपना आपा खो दिया और प्रतीक को गाली दी जिससे वह नाराज हो गए। वहीं दूसरी तरफ प्रतीक सहजपाल ने बिग बॉस ओटीटी की अधिकांश फीमेल कंटेस्टेंट्स के साथ गलत तरीके से शुरुआत की। भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह को छोड़कर उनमें से किसी ने भी उन्हें अपने कनेक्शन के रूप में पसंद नहीं किया। हालांकि अक्षरा ने भी बाद में बाताया कि उन्होंने प्रतीक को क्यों पसंद किया है।अक्षरा ने महिला साथियों को बताया कि उसने प्रतीक को अपने कनेक्शन के रूप में चुना क्योंकि उसे %अकड़ू पुरुष% पसंद हैं। इससे नेहा भसीन ने उसे बताया कि केवल वह ही उसे संभाल सकती है और यह केवल अब है कि उन्हें कुछ मज़ा आएगा। बिग बॉस ओटीटी को 24 घंटे लाइव स्ट्रीम किया जा रहा है। आप इसे वूट ऐप पर देख सकते हैं

Bigg Boss OTT में हुई शमिता शेट्टी की एंट्री

बताया तमाम उतार- चढ़ाव के बीच क्यों बनीं शो का हिस्सा

नई दिल्ली। छोटे पर्दे का सबसे चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस का आगाज हो चुका है। लेकिन इस बार ट्विस्ट ये है कि शो की शुरुआत टीवी से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हुई है। इस बार शो को टीवी पर प्रसारित करने से छह हफ्ते पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म ङ्कशशह्ल स्द्गद्यद्गष्ह्ल पर प्रसारित किया जा रहा है। ओटीटी पर शो को मशहूर निर्माता- निर्देशक करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। शो के कंटेस्टेंट्स का भी खुलासा पहले ही हो गया था। लेकिन कई दिनों से शो में अभिनेत्री शमिता शेट्टी के भी शो का हिस्सा बनने के कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई थी। लेकिन अब शो के आगाज के साथ ही इस खबर पर भी मुहर लग चुकी हैं क्योंकि शमिता शेट्टी ने शो में एंट्री कर ली है।दरअसल शमिता शेट्टी के परिवार पर बीते कुछ दिनों से मुसीबतों का डेरा डला हुआ है। जिसके चलते कयास लगाए जा रहे थे कि ऐसे मुश्किल हालातों में शमिता शेट्टी इस शो का हिस्सा नहीं बनेंगी। उनके जीजा और शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा अश्लील वीडियो मामल में लिप्त पाए गए जिसके चलते करीब 20 दिनों से वो जेल में बंद हैं। हालांकि इस बीच शमिता ने अब बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। एंट्री के साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि वो शो का हिस्सा क्यों बनी हैं।शो में एंट्री होते ही शमिता शेट्टी ने होस्ट करण जौहर के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वो ऐसे मुश्किल हालातों में शो का हिस्सा क्यों बनी हैं। शमिता शेट्टी ने राज कुंद्रा या शिल्पा शेट्टी मेंसे किसी का भी नाम नहीं लिया और कहा कि उन्होंने शो के लिए बहुत पहले ही कमिटमेंट कर दिया था जब उनकी निजी जिंदगी में उतार चढ़ाव आया भी नहीं था। और उन्हें कमिटमेंट करने के बाद आखिरी मिनट में शो से बैकआउट करना ठीक नहीं लगा। उन्होंने ये भी कहा कि हम सभी कभी ना कभी जीवन में उतार- चढ़ाव से गुजरते हैं लेकिन इसकी वजह से काम सफर नहीं करना चाहिए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि, %एक बार जो मैंने कमिटमेंट कर दी फिर मैं अपने आप की भी नहीं सुनती।% बता दें कि शमिता शेट्टी इससे पहले बिग बॉस के सीजन 3 का हिस्सा रह चुकी हैं। लेकिन उन्हें ये शो कुछ दिनों में छोड़कर जाना पड़ा था क्योंकि उन्हें अपनी बहन शिल्पा शेट्टी की शादी में शरीक होना था।

भाजपा कार्यालय के समीप फैली गंदगी से मच्छरों का आतंक

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय के आसपास फैली गंदगी से नगर निगम की उदासीनता उजागर हो गई। कार्यालय के आसपास गड्ढों में गंदा पानी भरा है जिसकी वजह से मच्छरों का आतंक है। इसकी वजह से क्षेत्रीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर खंडपीठों में चहल-पहल

फिजिकल हियरिंग शुरू,10 से ज्यादा को अनुमति नहीं

जबलपुर, यशभारत। हाईकोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर सहित इंदौर, ग्वालियर खंडपीठों में सोमवार से चहल-पहल लौट आई है। चार महीने बाद फिजिकल हियरिंग शुरू हो गई। इतना ही नहीं इसके साथ ही साथ अब वर्चुअल सुनवाई का भी विकल्प रहेगा। लेकिन कोर्ट रूम में 10 से अधिक लोगों को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। 65 से अधिक उम्र वाले वकीलों और पक्षकारों को कोर्ट में फिजिकल उपस्थिति से छूट दी गई है। नियमित सुनवाई के नोटशीट पर वकीलों और पक्षकारों के हस्ताक्षर नहीं होंगे। चीफ जस्टिस मोहम्मद रफ ीक की अध्यक्षता में दो अगस्त को हुई बैठक में फिजिकल हियरिंग का निर्णय लिया गया था।

अप्रैल से बंद थी हियरिंग

4 महीने से कोरोना की दूसरी लहर के चलते प्रदेश की अदालतों में फिजिकल हियरिंग बंद थीं। सिर्फ वर्चुअल तरीके से ही मामलों की सुनवाई की जा रही थी। चीफ जस्टिस मोहम्मद रफीक की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्टेट बार काउंसिल जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर के सदस्य, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारी वर्चुअल तरीके से शामिल हुए थे। इस संयुक्त बैठक में कोरोना की दूसरी लहर के बाद हाईकोर्ट में फि जिकल हियरिंग को फि र से शुरू करने का मुद्दा रखा गया था। इस पर कमेटी ने 9 अगस्त से हाईकोर्ट की मुख्य समेत अलग-अलग खंडपीठों में फिजिकल हियरिंग की शुरुआत करने पर सहमति जताई।

तय की गई ये गाइडलाइन

- कोर्टरूम में 10 से अधिक लोगों को प्रवेश की अनुमति नहीं
- 65 वर्ष से अधिक उम्र वाले वकीलों और पक्षकारों को कोटजू में फिजिकली उपस्थिति से छूट
- नियमित सुनवाई के नोटशीट पर वकीलों और पक्षकारों के हस्ताक्षर नहीं होंगे
- सुनवाई के लिए कोर्ट रूम में प्लास्टिक शीट लगाई जाएगी। वकीलों और पक्षकारों को मास्क लगाने के साथ सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना होगा
- कोर्ट परिसर को सैनिटाइज कराना होगा। यदि किसी वकील और पक्षकार को बुखार होता है, तो उसे अदालत परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा
- अदालत परिसर में केवल उन वकीलों और पक्षकारों को प्रवेश दिया जाएगा, जिनके प्रकरणों की सुनवाई होनी है।

अगर केस बढ़े तो होगा विचार

मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य व हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव एड मनीष तिवारी ने न्यायालय में फिजिकल हियरिंग शुरू होना अधिवक्ताओं के हित में बताया है वहीं उनका कहना है कि लगभग सभी अधिवक्ताओं का वैक्सीनेशन हो चुका है वही कई अधिवक्ताओं को केवल एक ही डोज लग पाया है उनके लिये भी कैम्प लगाकर दूसरे डोज की व्यवस्था की जा रही है साथ ही केस बढ़ने के सवाल पर उनका कहना है कि अगर जबलपुर में कोरोना के केस बढ़ते है तो ऐसी स्थिति में समन्वय कर बैठक आयोजित की जायेगी और परिस्थितियों पर विचार किया जायेगा।

अगली बैठक 27 अगस्त को

अब कमेटी की अगली बैठक 27 अगस्त को होगी। उस बैठक में फिजिकल हियरिंग की समीक्षा की जाएगी। फि जिकल हियरिंग के साथ ही अधिवक्ताओं और पक्षकारों को वर्चुअल सुनवाई का भी विकल्प मिलेगा। यह विकल्प खुद अधिवक्ता या पक्षकार को चुनना होगा।

8 लाख हड़पने वाले ब्लेकमेलर गैंग पर कसा शिकंजा

जबलपुर, यशभारत । फर्जी पत्रकारों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता ही जा रहा है। जिसके चलते होटल को बदनाम करने की धमकी देते हुए 8 लाख रुपए हड़पने वाले ब्लैकमेलर गैंग के दो और गुर्गे को तिलवारा पुलिस ने दबोच लिया। अब तक इस मामले में 4 गिरफ्तारी हो चुकी है। एक आरोपी की तलाश जारी है। उधर, ग्वारीघाट पुलिस ने भी अपने यहां दर्ज प्रकरण में तीन आरोपियों के नाम बढ़ा दिए हैं। नरसिंहपुर निवासी आशू को धमका कर पैसे ऐंठने वालों में अर्पित ठाकुर व दीपक मिश्रा भी शामिल थे। तिलवारा पुलिस के मुताबिक आर्बिट होटल को बदनाम करने की धमकी देते हुए ब्लैकमेलर गैंग ने 16 लाख 37 हजार की हुई शादी पार्टी के बिल की आधी रकम हड़प गए थे। इतना ही नहीं वे उलटे 5 लाख रुपए और मांग रहे थे। आरोपियों ने बुकिंग के समय जो चेक दिए, वो भी बाउंस हो गए। शनिवार को प्रकरण में चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसमें तीन आरोपियों पुरानी बस्ती करमेता निवासी अमन चौबे (28), मेडिकल पंप हाउस के सामने तेवर निवासी तुलसीदास अवस्थी व गढ़ा निवासी कपिल दुबे को गिरफ्तार कर लिया। तीनों से पूछताछ में साकेत नगर श्रद्धा कॉलोनी कोतवाली निवासी आशीष अग्रवाल की सहभागिता सामने आई। प्रकरण में नाम बढ़ाते हुए उसे भी तिलवारा पुलिस ने दबोच लिया। इस मामले में अब संदीप तिवारी ही फ रार है। होटल जीएम मेगनाथ गौतम ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

तिलवारा पुलिस ने गिरोह के 2 गुर्गों को दबोचा, 1 फरार, ग्वारीघाट पुलिस ने 3 के नाम बढ़ाए, सरगर्मी से तलाश जारी

36 हजार 500 रुपए ऐंठे थे

उधर, ग्वारीघाट पुलिस ने उक्त गैंग के खिलाफ दर्ज प्रकरण में तीन और आरोपियों अर्पित ठाकुर, और दीपक मिश्रा के नाम बढ़ाए हैं। नरसिंहपुर निवासी आशू ने 30 जुलाई को ब्लैकमेलर गैंग के जेपी सिंह, विवेक मिश्रा व पंकज गुप्ता के खिलाफ नामजद और तीन अज्ञात पर प्रकरण दर्ज कराया था। तीनों आरोपियों ने रिमांड में तीन अन्य के नाम उगले थे। ग्वारीघाट में आरोपियों के खिलाफ 30 जुलाई को मूलतः नरसिंहपुर निवासी आशु उर्फ आशीष (23) ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपियों ने चार जुलाई को उसे ब्लैकमेल और धमकाते हुए 36 हजार 500 रुपए ऐंठ लिए थे।

एमपीईबी में मंगलवार को नहीं होगा काम

निजीकरण के खिलाफ हुंकार भरेंगे कर्मचारी

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों के अधिकारी एवं कर्मचारी मंगलवार को कोई काम नहीं करेंगे, जिससे प्रदेश के सवा करो? से ज्यादा विद्युत उपभोक्ताओं को भी परेशानी का सामना करना प? सकता है। केंद्र सरकार के द्वारा लाये जा रहे इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल के विरोध में नेशनल को आर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर यूनाइटेड फोरम के तत्वावधान में एमपी के सभी विद्युत अधिकारी और कर्मचारी ह?ताल पर रहेंगे। यूनाइटेड फोरम की मांग है कि विद्युत कंपनियों का निजीकरण न किया जाये। ट्रांसमिशन कंपनी में लाई जा रही टीबीसीबी को रद्द किया जाये। संविदा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमित किया जाये। आउटसोर्स कर्मियों का संविलियन किया जाये। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यमंत्री कोविड-19 कल्याण योजना में शामिल किया जाये.।

उमाघाट से नावघाट तक में घूम-घूमकर वाहनों में फंसा रहे थे चाबी

दो शातिर चोर चढ़े पुलिस के हत्थे ,6 वाहन जब्त

जबलपुर, यशभारत। ग्वारीघाट के उमाघाट से नावघाट तक घूम-घूमकर चाबी फंसाकर वाहन उड़ाने की फिराक में दो शातिर चोरों को जबलपुर पुलिस ने दबोच लिया है। दोनों पूरी योजना के साथ घटना को अंजाम देते थे। इतना ही नहीं दोनों ने अपने काम भी बांट रखे थे, एक आरोपी चाबियों के गुच्छे से बाइक का लॉक खोल कर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। दूसरा लोगों को पूरी सावधानी के साथ देखता था और मौका देखकर दोनों वाहन लेकर रफूचक्कर हो जाते थे। ग्वारीघाट और बरगी पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर 6 बाइकें जब्त की है। दोनों आरोपियों से और चोरी के वाहनों से संबंधित पूछताछ जारी है। कयास लगाए जा रहे है कि यह पूरी गैंग है, जिसके सदस्य अलग-अलग स्थानों पर रैकी कर घटना को अंजाम देते थे। गैंग के अन्य फरार सदस्यों की पुलिस अब पड़ताल कर रही है। ग्वारीघाट पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक संदिग्ध हालत में चाबियों का गुच्छा लेकर अलग-अलग बाइक में लगाने का प्रयास कर रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर उसे दबोच लिया। आरोपी की पहचान गोपाल सदन कोतवाली निवासी अमित उर्फ छोटू सोनी के रूप में हुई। उसके पास से चाबियों का गुच्छा मिला, जिसमें अलग-अलग कंपनियों की बाइक खोली जा सकती थी। आरोपी उमाघाट से नावघाट तक घूम कर बाइकों में चाबी लगाने का प्रयास कर रहा था।

ग्वारीघाट और बरगी पुलिस ने दिया कार्रवाई को अंजाम, गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी

ग्वारीघाट से तीन और एक बाइक ओमती से उड़ाई

आरोपी से पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो ग्वारीघाट से तीन और एक बाइक ओमती क्षेत्र के मार्बल सिटी अस्पताल के सामने से चुराना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर एमपी 20 एमवाय 8696, एमपी 20 एनए 8165, एमपी 20 एनबी 7534 और एक बिना नंबर की बाइक जब्त हुई।

घर में छुपा कर रखा था दो बाइक

आरोपी अमित से ही पूछताछ में खिरहैनी निवासी शुभम बर्मन का नाम सामने आया था। जिसके बाद एक टीम ने उसके घर पर दबिश देकर उसे दबोच लिया। आरोपी के घर से दो बाइक जब्त हुए। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने नवंबर 2020 में मंडला बायपास से एक बाइक एमपी 20 एनएच 3486 और एक वर्ष पहले ग्वारीघाट से एमपी 20 एमपी 1806 चुराई थी। मंडला बायपास से चोरी हुई बाइक की रिपोर्ट बरगी थाने में चरगवां निवासी राजू भवेदी ने दर्ज कराई थी।

पत्नी खाना बनाने में लेट हुई तो कर ली आत्महत्या

जबलपुर, यशभारत। ग्वारीघाट थाना अंतर्गत आज सुबह नर्मदा नदी के उमाघाट के पास नावघाट में एक शव उतराते हुए मिला। व्यक्ति की लाश देखकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गयी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कि तो पता चला कि उक्त व्यक्ति 6 अगस्त 2021 से घर से गायब था।

ग्वारीघाट में उतराते मिला पति का शव

शराब पीकर घर पहुंचे पति ने यह कहकर खाने की थाली में हाथ मार दिया कि तुम लेट हो गयीं और घर से चला गया। परिजनों ने इसकी सूचना थाना ग्वारीघाट में दी थी, जिसके चलते पुलिस उक्त व्यक्ति की खोजबीन कर रही थी और नाविकों ने शव के बारे में पुलिस को सूचित किया तब परिजनों को जानकारी देकर घटना स्थल बुलाया गया और जैसे ही परिजनों ने लाश देखी तो बदहवास होकर रोने-चीखने लगे। जिसके बाद पुलिस और नाविकों ने पीड़ितों को सम्हाला। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामले को जांच में लिया है। ग्वारीघाट एसआई प्रेमलाल ने बताया कि सोनू राजपूत उम्र 40 वर्ष पिता फूलचंद्र राजपूत, दुर्गानगर भटोली ग्वारीघाट का निवासी है और पेशे से मजदूरी करता था। जो 6 अगस्त से घर से बिना बताए कहीं चला गया था।

शराब का था आदी

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच-पड़ताल में यह सामने आया है कि सोनू राजपूत शराब का आदी था और आए दिन शराब पीकर घर में पत्नी सोनिया ठाकुर उम्र 35 वर्ष से झगड़ा करता था। 6 अगस्त के दिन सोनू शराब पीकर आया और पत्नि से खाना खाने की बात कहीं। पत्नि सोनिया ने खाना परोसा, लेकिन सोनू यह कहकर घर से चला गया कि वह लेट हो गयी।

डूबने से हुई मौत?

पुलिस ने बताया कि मृतक सोनू राजपूत का शव नदी से निकालकर पीएम हेतु भेज दिया गया है। तलाशी में मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवक की मौत डूबने से हुई है या फिर वह फिसलकर नदी में समा गया, अब पूरी जांच के बाद भी इस सच से पर्दा उठेगा।

फिर बढ़ी बारिश की संभावना

जबलपुर। उत्तर पूर्वी मध्यप्रदेश में बने कम दबाव के कारण फिर बारिश की संभावना बढ़ गई है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक बिजूजान जेकब ने बताया कि लगातार मौसम में बदलाव देखने को आ रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान 27.4 सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य था। वर्षा पिछले 24 घंटे में 0.2 मिली मीटर हुई है। 1 जून से 421.07 आज तक हुई है। मानसून का एक नया सिस्टम बहुत जल्द विकसित हो रहा है जो जानकारी मिली उसके अनुसार उत्तर पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है जिसके कारण जबलपुर संभाग के कुछ जिलों में बारिश हो सकती है । मानसून का ट्रफ लाइन हिमालय की तराई में चला गया है। जिसके कारण मानसून में रुकावट आ सकती है।

नर्मदा स्नान करने आए दंपत्ति को लगा 60 हजार का चूना, मामला दर्ज

ऑटो चालक की तकवारी काम ना आई, ग्वारीघाट से चोरी हो गए पर्स और मोबाइल

जबलपुर, यशभारत। इनदिनों चोरों के हौसले सांतवे आसमान पर है। जिसके चलते थाना ग्वारीघाट में एक ऑटो चालक के द्वारा एक दंपत्ति को यह कहकर नर्मदा स्नान के लिए भेज दिया गया कि वह पर्स व मोबाइल की हिफाजत करेगा, जब दंपत्ति पूजा-पाठ कर वापस आए तो पर्स में रखे 40 हजार रुपए व 20 हजार का मोबाइल, कुल 60 हजार की चोरी की वारदात को अंजाम दिया दिया। जब पीड़ित ने ऑटो चालक से पूछा तो वह साफ-साफ मुकर गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर, शातिर चोरों की सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है। जानकारी अनुसार थाना ग्वारीघाट में गोपालशरण द्विवेदी उम्र 45 वर्ष निवासी सिंहलिया थाना बहरी जिला सीधी ने बताया कि वह अपनी पत्नि गायत्री के साथ सीधी से जबलपुर आया था। सुबह 4 बजे बस स्टैण्ड दीनदयाल पहुंचा, आटो एमपी 20 आर 6297 से ग्वारीघाट नहाने पहुंचा, आटो चालक ने पूछने पर अपना नाम महावीर साहू बताया था। ग्वारीघाट में नहाने के पहले वह अपने काले रंग का पर्स जिसमें 40 हजार 300 रूपये एवं एमआई कम्पनी का 20 हजार रूपये का मोबाईल कपड़ों में रखकर गया था । आटो चालक ने कहा आप दोनों नहा लो मैं आपका पर्स, मोबाईल देखता हूं। जिसके बाद वह नर्मदा नदी में नहाने चला गया। कुछ देर बाद लौटा तो देखा उसके कपड़े व मोबाईल, पर्स गायब थे। उसने पास बैठे आटो चालक से पूछा जिसने कहा कि कुछ देर पहले एक लड़का आया था जिसने कहा कि राजश्री खिला दो तो उसने उस लड़के को राजश्री खिला दी लेकिन उसे पर्स और मोबाइल के बारे में कुछ नहीं पता।

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier
Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

स्थापना 1948 73 वर्षों का आपका विश्वास
मंदिर छाप छाता
छाते ही छाते
निर्माता- लक्ष्मी अम्ब्रेला इंडस्ट्रीज
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481944
लक्ष्मी एम्पोरियम
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र)
फो. 0761-2481229
अधिकृत विक्रेता
प्लास्टिक सिल्पोलिन तिरपाल के थोक विक्रेता मो. 9826116661
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481262, 2481362

Pure & Tasty AK's Special Jabalpur
मो. 9827681910
गर्मी के मौसम में स्पेशल सतू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार अजित कुमार
गुलाबी चना | मुरमुरा
बोल्ड चना | केला चिप्स
बोल्ड पीनट | मसाला चना
ड्राय मेल | चना जौर गर्म
प्रियदर्शनी एवं सेवा केन्द्र मढ़ाताल में उपलब्ध
होम डिलेवरी के लिए अनुभवी लड़कों की जरूरत है

योगमणि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
जामदार हॉस्पिटल जबलपुर
भारतीय नर्सिंग कॉन्सिल व म.प्र. नर्सिंग काउंसिल से मान्यता प्राप्त, तथा म.प्र. मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबंद्ध
सीमित स्थान — नर्सिंग के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर — प्रवेश प्रारंभ
B.Sc. NURSING: 4 वर्षीय पाठ्यक्रम, प्रवेश योग्यता - 10+2 जीव विज्ञान से (45% अंकों के साथ)
Post Basic B.Sc. Nursing: 2 वर्षीय पाठ्यक्रम, प्रवेश योग्यता - GNM Pass
GNM: 3 वर्षीय पाठ्यक्रम, प्रवेश योग्यता - 10+2 किसी भी विषय से (40% अंकों के साथ)
तत्काल रोजगार: शासकीय मेडिकल अस्पताल CHC, PHC, AIIMS, Raiway, ESIC PGI, जिला अस्पताल, अन्य सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं प्राइवेट अस्पताल में रोजगार की अपार संभावना
SC/ST/OBC छात्रों को सरकारी नियमानुसार 100% तक छात्रवृत्ति
प्रतिभा सम्मान योजना
कक्षा 12 वीं में, 75% से अधिक अंक प्राप्त छात्रों को फीस में भारी छूट
योगमणि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
198/2, रैगवा, वार्ड नं. 72, अरिहंत वेयर हाउस के पीछे, पाटन वायपास चौक के पास, जबलपुर
मो.: 9926812233, ई-मेल: yogmaniinstituteofnursing@gmail.com
8989220333, 8989228333, 9340232133

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)